www.dainikjayantnews.com
देहरादून
रविवार : 20 सितम्बर 2026
वर्ष: 17
अंक: 133 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या के राम मंदिर में पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू

- तुलसी कंठी धारण करने वाले पुजारी ही गर्भगृह में कर सकेंगे प्रवेश

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद रामलला की पूजा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किया गया है। पूजा व्यवस्था के संचालन के लिए गठित नई धार्मिक समिति ने पूजा अर्चना को रामानंदी परंपरा के मुताबिक कड़ाई से पालन करने की व्यवस्था की है। अब पुजारियों के लिए ड्रेस कोड बनाया है। इसके मुताबिक पुजारियों को पीत वस्त्र धारण करना होगा।

साथ में वे दाढ़ी-मूंछ व केश रखेंगे अथवा क्लीन सेव रहना होगा। रोजाना धुली पीले रंग की ड्रेस पहननी होगी जो रेशमी अथवा सूती कपड़े की हो सकती है। धार्मिक समिति के सदस्य महंत राजकुमार दास ने बताया कि यदि किसी पुजारी के घर में किसी का जन्म अथवा मृत्यु होती है तो सूतक के दौरान रामलला के गर्भगृह में प्रवेश नहीं करेगा। शुद्धिकरण के बाद ही वह पूजा कर सकेगा। पुजारी ही रामलला के गर्भगृह में प्रवेश कर सकेंगे। उनको रामानंदी परंपरा में दीक्षित होना व तुलसी की माला धारण करना भी अनिवार्य किया गया है। ड्यूटी के दौरान शौच आदि पर जाने पर पुनः शुद्ध होना होगा।

बंगाल उपचुनाव में रेजीनगर से ममता के प्रत्याशी फिर पलटे

रबीउल आलम ने सुबह कहा-नहीं लड़ूंगा, दोपहर में बोले-लड़ूंगा

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 2 सीटों के उपचुनाव के पहले सियासी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। रेजीनगर में टीएमसी उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने शनिवार सुबह 10 बजे चुनाव से हटने का ऐलान किया, लेकिन करीब 3 घंटे बाद ही दोपहर एक बजे यूटर्न ले लिया।

रबीउल ने सुबह हटने का ऐलान करते वक्त पार्टी का पुराना चुनाव चिह्न 'जोड़ा घासफूल' नहीं मिलने और नया चिह्न 'फुटबॉल प्लेयर' मिलने को इसकी वजह बताया था। हालांकि, ममता बनर्जी से बातचीत के बाद रबीउल ने कहा, मैं चुनाव लड़ूंगा। इससे एक दिन पहले नंदीग्राम में भी ममता गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने नामांकन वापस ले लिया था। रेजीनगर और नंदीग्राम सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होगा और 9 अक्टूबर को मतगणना होगी। नंदीग्राम सीट शुभेंदु अधिकारी के इस्तीफे के बाद और रेजीनगर सीट हुमायूं कबीर के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। ममता बनर्जी ने टीएमसी का नाम और 'जोड़ा घास फूल' चुनाव चिन्ह फ्रीज करने के चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

सड़कों पर पशुओं को लावारिस छोड़ा तो होगी सख्त कार्रवाई

राजमार्गों को सुरक्षित बनाने के लिए एनएचएआई का कड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनने वाले आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत राजमार्गों और एक्सप्रेस वे पर मवेशियों को लावारिस छोड़ने वाले पशु मालिकों पर जुर्माना लगाया जाएगा। इसके साथ ही दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। मंत्रालय ने एक परिपत्र में कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवारा पशुओं और अन्य जानवरों की लगातार मौजूदगी सड़क सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बनी हुई है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने एक स्वतः संज्ञान रिट याचिका में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेस वे से आवारा पशुओं को सुरक्षित हटाने का निर्देश दिया था। राजमार्ग एजेंसियों और राज्य सरकारों को जारी मानक संचालन प्रक्रिया में कहा गया कि राष्ट्रीय राज मार्गों,एक्सप्रेस वे से आवारा पशुओं को हटाने और आश्रय स्थलों तक पहुंचाने का खर्च देना होगा।

पंजाब सीएम के काफिले पर पूर्व मंत्री ने फेंके अंडे-टमाटर

- बिट्टू हिरासत में, बोले-मान शराब का आनंद लें, केजरीवाल को पंजाब लूटने दें

लुधियाना (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को लुधियाना में सीएम भगवंत मान के काफिले पर अंडे-टमाटर फेंके। बिट्टू ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के गेट के पास मुख्यमंत्री के

काफिले की ओर शराब की बोतल लहराते हुए कहा कि वह मान को बोतल लौटा रहे हैं। उन्होंने बोतलें फेंकते हुए कहा- भगवंत मान अपनी शराब का आनंद लो और अरविंद केजरीवाल को दिल्ली से पंजाब को लूटने दें। प्रदर्शन के दौरान पंजाब पुलिस ने बिट्टू को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए जाने के बाद बिट्टू के एक्स हेंडल से पोस्ट किया गया-लोगों की आवाज को हिरासत और पर्चे से दबाया नहीं जा सकता। आज पंजाब पुलिस ने हमें हिरासत में ले लिया है, लेकिन हमारा हौंसला बुलंद है। बता दें कि एक दिन पहले पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू के काफिले पर हमला हो गया था।

लैंसडौन पहुंचे एनएसए डोभाल और सीडीएस जनरल सुब्रमण्यम

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल राजा सुब्रमण्यम शनिवार को लैंसडौन स्थित गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के भवानी दत्त परेड ग्राउंड पहुंचे। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों का हेलीकॉप्टर लगभग 3:10 बजे परेड ग्राउंड में उतरा। गढ़वाल राइफल्स के हेलीपैड से लेकर आसपास के चेक पोस्ट तक पुलिस और सेना के जवानों ने मोर्चा संभाले रखा।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस सुब्रमणि आईआईटी रुड़की में आयोजित दीक्षांत समारोह के समापन के बाद लैंसडौन पहुंच गए हैं। वे गढ़वाल राइफल्स के हेलीपैड पर हेलिकॉप्टर से उतरे। रुड़की में एक सैन्य कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वे सीधे यहां आए थे। हेलीपैड पर कर्नल ऑफ द रेजिमेंट गढ़वाल ग्रुप व गढ़वाल स्काउट्स ले. जनरल दिनेश सिंह राणा ने उनकी आगवानी की। इस दौरान ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी भी मौजूद थे। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने रेजिमेंटल सेंटर की विभिन्न गतिविधियों एवं प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की जानकारी ली। दोनों शीर्ष अधिकारियों के आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। लैंसडौन और आसपास के कई किलोमीटर के दायरे में पुलिस और सेना के जवान तैनात हैं। हर आने-जाने वाले पर पैनी नजर रखी जा रही थी। वेलकम पोस्ट और जयहरीखाल चेक पोस्ट पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी। बाहरी लोगों की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी गई। दौरे के दौरान एनएसए अजीत डोभाल और सीडीएस जनरल राजा सुब्रमण्यम के अग्निवीरों से संवाद करने तथा उनके प्रशिक्षण एवं अनुभवों की जानकारी लेने का कार्यक्रम है। साथ ही वे रेजिमेंट की सैन्य गतिविधियों और प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का भी अवलोकन करेंगे।

रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने कहा कि दोनों वरिष्ठ अधिकारियों का आगमन रेजिमेंट के लिए गौरव का अवसर है। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से युवा अधिकारियों, सैनिकों और अग्निवीरों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों के साथ संवाद उन्हें सैन्य सेवा के अनुभवों को साझा करने और वरिष्ठ नेतृत्व से सीखने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

योगी उवाच-मैं नौकरी देता जाऊंगा वह गिनते जाएं

पहले चाचा-भतीजे नौकरियों पर डकैती डालते थे, आज उपदेश दे रहे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने शनिवार को लखनऊ में अखिलेश और शिवपाल यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पहले नौकरियों में डकैती डालने के लिए चाचा-भतीजे की जोड़ी बेखौफ निकल पड़ती थी। आज उपदेश की भूमिका में हैं। 2027 के बाद उपदेश भी नहीं रह पाएंगे। योगी ने कहा- पहले बिना परीक्षा दिए ही नौकरी मिल जाती थी। विज्ञापन जारी होते ही ठेके बांट दिए जाते थे और धंधा शुरू हो जाता था। जिन्होंने 2017 से पहले नियुक्ति पत्र वितरण में गदर मचाई थी, वे नोट कर लें कि अगले 6 महीने में एक लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी देने जा रहे हैं। वे गिनते रहें, हम नौकरियां देते जाएंगे। सीएम ने लोकभवन में लोक सेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के 818 अभ्यर्थियों को जॉइनिंग लेटर बांटे। सीएम ने कहा- 2017 से पहले चयन आयोग का चेयरमैन ऐसे व्यक्ति को बनाया गया, जो खुद योग्य नहीं था। चेयरमैन बनने के बाद उसने गदर मचाई। इसके चलते युवाओं को सड़क पर उतरना पड़ा।

उफनते नाले में बही कार, 8 की मौत

- एमपी में हुआ हादसा, 7 ओडिशा के, लोगों ने किया चक्काजाम
- नलखेड़ा दर्शन करने गए थे

आगर मालवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के आगर-मालवा के नलखेड़ा में मां बगलामुखी मंदिर के पास बरसाती नाले में कार बहने से 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 3 बच्चे शामिल हैं। 7 मृतक ओडिशा के हैं, जबकि कार ड्राइवर अरुण गोयल आगर-मालवा के बड़ौद का रहने वाला था। सभी श्रद्धालु मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन के लिए आए थे। उन्होंने उज्जैन से कार किराए पर ली थी।

एसपी दिलीप कुमार सोनी के मुताबिक, हादसा रात करीब 3 बजे हुआ। शुरुआती जांच में मौत का कारण डूबना सामने आया है। पुलिस मंदिर और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

ड्राइवर समेत 6 मृतकों की पहचान हो गई है। ड्राइवर अरुण गोयल के अलावा मृतकों में राधा रानी बहेरा, ज्ञानेंद्र कुमार बहेरा, रितारानी पत्नी ज्ञानेंद्र बहेरा, कृष्णा राजवीर पुत्र शिवप्रसाद बहेरा और शिवप्रसाद बहेरा शामिल हैं।

अंबेडकर चौराहे पर चक्काजाम, दुकानें बंद

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अंबेडकर चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। विरोध में दुकानें भी बंद कर दी गई हैं। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। कलेक्टर, एसपी दिलीप कुमार सोनी और एएसपी रवींद्र कुमार बोयट समेत प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। नलखेड़ा में पिछले 24 घंटे में 3.7 इंच बारिश हुई। रात में तेज बारिश के बाद नाले का पानी बढ़ गया। बहाव में कार पुलिया से करीब 100 मीटर दूर चली गई। सुबह पानी उतरने पर कार की छत दिखाई दी। स्थानीय व्यक्ति की सूचना पर पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। एसडीआरएफ की मदद से कार को बाहर निकाला गया। सभी शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे गए।

मां मोबाइल देख रही थी बच्ची चलती ट्रेन से गिरी

खिड़की की रॉड पकड़कर खड़ी थी, झटके से बाहर हुई, बचाया

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर में पवन एक्सप्रेस में मां के साथ सफर कर रही डेढ़ साल की बच्ची चलती ट्रेन से अचानक नीचे गिर गई। घटना 15 सितंबर को कटनी-जबलपुर के बीच हुई। ट्रेन कटनी स्टेशन से निकलने के बाद करीब 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। बच्ची इमरजेंसी खिड़की से करीब 8 फीट नीचे नुकीली गिट्टियों पर जा गिरी। उसे गायब देख मां संजीदा खातून बदहवास हो गईं। यात्रियों ने फौरन चेन पुलिंग की और ट्रैक पर दौड़कर बच्ची को उठा लिया। उसके सिर, पीठ, हाथ-पैर में चोट लगने से बच्ची के शरीर से खून निकल रहा था।

बच्ची कब उठी, मां को पता ही नहीं चला- 26 वर्षीय संजीदा मुजफ्फरपुर की रहने वाली हैं। उनके पति मुंबई में नौकरी करते हैं। वह डेढ़ साल की बेटी के साथ मुजफ्फरपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई जा रही थीं। वह लोअर बर्थ पर बच्ची को साइड में लिटाकर मोबाइल देख रही थीं। इसी दौरान बच्ची उठकर इमरजेंसी खिड़की की रॉड पकड़कर खड़ी हो गई। ट्रेन के झटके से वह खिड़की से बाहर जा गिरी। बच्ची अचानक गायब हुई तो मां को कुछ समझ नहीं आया। यात्रियों ने बाहर गिरने की आशंका जताई।

नेपाल के रास्ते बिहार पहुंच रही पाकिस्तान की 'ब्यूटी'

देश में प्रतिबंधित है 'गोरी ब्यूटी' और 'चांदनी व्हाइटनिंग'

भागलपुर (एजेंसी)। पड़ोसी देश पाकिस्तान में तैयार प्रतिबंधित सौंदर्य प्रसाधनों की खेप नेपाल के रास्ते पूर्वी बिहार और कोसी-सीमांचल के बाजारों तक पहुंचने का मामला सामने आया है। इंडो-नेपाल बॉर्डर पर एसएसबी की टीम द्वारा बड़ी मात्रा में पाकिस्तानी क्रीम पकड़े जाने के बाद कथित तस्करी नेटवर्क की जानकारी सामने आई है। इसके बाद भागलपुर समेत कोसी और सीमांचल क्षेत्र के जिलों में ड्रग विभाग ने भी निगरानी बढ़ा दी है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने पाकिस्तान के लाहौर स्थित कंपनियों की ओर से निर्मित गोरी ब्यूटी क्रीम और चांदनी व्हाइटनिंग क्रीम की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। जांच में इन दोनों क्रीमों में निर्धारित मानकों से कई गुना अधिक मात्रा में खतरनाक भारी धातुएं (हेवी मेटल्स) और पारा (मर्करी) जैसे विषैले तत्व पाए जाने की बात सामने आई है।

पीएम मोदी ने युवाओं को बांटे 51 हजार नियुक्ति पत्र

- कहा-विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है देश
- पीएम बोले-इसमें आप जैसे युवाओं की है बड़ी भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 20वें रोजगार मेले में 51 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। मोदी ने नए चुने कर्मचारियों को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ऐसे समय में भारत सरकार से जुड़े हैं, जब देश बहुत बड़े लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। ये लक्ष्य है 2047 तक विकसित भारत बनाने का। इसमें आप जैसे युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। सरकार में रहते हुए आपको हर वो निर्णय लेना है, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के अभियान को निरंतर सशक्त करे।

आज करीब आधे स्टार्टअप छोटे शहरों में- भारत के युवाओं के सामर्थ्य की एक और तस्वीर हमारे

स्टार्टअप इको सिस्टम में दिखाई देती है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम है और भारत की स्टार्टअप स्टोरी अब केवल बड़े शहरों की कहानी नहीं है। आज करीब आधे रिकग्नाइज्ड स्टार्टअप टियर2 और टियर3 शहरों में हैं। कुछ ही दिन पहले ब्रिक्स समिट खत्म हुआ है। भारत ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि ब्रिक्स का सहयोग सिर्फ सरकारों तक ही सीमित न रहे; बल्कि हमारे एंटरप्रेन्योर्स, किसान, महिलाएं और युवा भी इस साझेदारी में सक्रिय रूप से शामिल हों। इसी सोच के साथ ब्रिक्स कनेक्ट और ब्रिक्स कोऑपरेशन पोर्टल जैसी पहल शुरू की गई हैं। पिछले कुछ सालों में भारत सरकार का लगातार ध्यान युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने पर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, स्किल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना या अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने के प्रयास-हमारी कोशिश यही रही है कि युवाओं की शिक्षा और उनके कौशल को बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए। आज जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले हैं उनकी नियुक्तियां केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों और संगठनों में हुई हैं।

आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत

पीएम मोदी ने कहा- देश में त्योहारों का समय शुरू हो चुका है। इन खुशियों के बीच आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशी लेकर आया है। आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। आज आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत तो है ही। साथ ही आपके माता-पिता और आपके परिजन की भी तपस्या है। मैं आप सभी युवा साथियों को और आपके परिवारजनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। युवा होने के नाते विशेष तौर पर अन्य युवाओं के प्रति आपकी विशेष जिम्मेदारी है।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज में ईरान का बड़ा एक्शन: टोगो के तेल टैंकर को बनाया निशाना, इलाके में बढ़ा तनाव

तेहरान, एजेंसी। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में टोगो के झंडे के नीचे चल रहे एक तेल टैंकर पर हमला किया। इसके बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। यह जानकारी ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार है। अमेरिका और इस्राइल की ओर से फरवरी के अंत में ईरान पर हमला करने के बाद से तेहरान ने जलडमरूमध्य की प्रभावी नाकाबंदी कर रखी है। दरअसल, इस्लामी गणराज्य आवागमन के लिए शुल्क लगाना चाहता है और उन जहाजों पर हमला करता है, जिन पर वह अपने पसंदीदा मार्ग को दरकिनार करने का प्रयास करने का आरोप लगाता है। बयान में कहा गया है, 'टोगो के झंडे वाले तेल टैंकर 'ट्रेंड' को उस समय निशाना बनाया गया और हिरासत में लिया गया जब उसमें आग लग गई।' यह बयान महत्वपूर्ण जलमार्ग से अवैध रूप से गुजरने के प्रयास का जिक्र करते हुए दिया गया था। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने गुरुवार को ओमान के खासब से 16 समुद्री मील (29.6 किमी) उत्तर-पूर्व में होर्मुज जलडमरूमध्य में एक सुरक्षा घटना की घोषणा की यूकेएमटीओ ने शामिल पोत के बारे में कोई जानकारी नहीं दिया। इसके साथ ही यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह वही पोत है जिसका जिक्र रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने किया था।

अमेरिका के मिशिगन में ट्रेनिंग के दौरान एफ-16 क्रैश, पायलट अस्पताल में भर्ती

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में सैन्य ट्रेनिंग के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सैन्य ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान एफ-16 फाइटर जेट क्रैश हो गया। क्रैश होते ही आग लग गई और जेट पूरी तरह धूं-धूं कर जल उठा। गनीमत रही कि पायलट सुरक्षित इजेक्ट करने में कामयाब रहा, जिससे उसकी जान बच गई। फिलहाल, पायलट को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। पायलट का इलाज चल रहा है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दरअसल, गुरुवार को मिशिगन के ग्रैंड ट्रैवर्स काउंटी में एक एफ-16 फाइटर जेट क्रैश हो गया। काउंटी के इमरजेंसी मैनेजमेंट विभाग ने बताया कि काउंटी रोड 633 के कुछ हिस्सों में लोगों को वहां से हटने का आदेश दिया गया है। टेक्सास नेशनल गार्ड के 149वें फाइटर विंग के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया था और उसकी हालत स्थिर है। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। प्रवक्ता के अनुसार, क्रैश के समय यह विमान एक रूटीन ट्रेनिंग एक्सरसाइज में हिस्सा ले रहा था। मिशिगन में फाइटर जेट क्रैश होने के बाद हड़कंप मच गया। वहां आसपास मौजूद लोगों ने तेज धमाके की आवाज सुनी और आसमान में काले धुए का गुबार छा गया। एक चश्मदीद ने बताया कि क्रैश होने से पहले विमान बहुत नीचे उड़ रहा था। क्रैश के बाद, विमान से केमिकल लीक होने की खबरें आईं। शुरू में, लोगों को घर के अंदर रहने की सलाह दी गई थी, लेकिन बाद में मिशिगन पुलिस ने एक मील के दायरे में रहने वाले लोगों के लिए 'शेल्टर-इन-प्लेस' यानी घर के अंदर सुरक्षित रहने का आदेश जारी किया।

जापान में भालू मंत्री! परेशान होकर सरकार ने बनाया अलग मंत्रालय; कैबिनेट मिनिस्टर को जिम्मा

टोक्यो, एजेंसी। जापान में भालू के तांडव को देखते हुए सना तकाइची सरकार ने एक अलग मंत्रालय बनाने का फैसला लिया है. इस मंत्रालय के प्रमुख को कैबिनेट रैंक दिया जाएगा. मंत्रालय का काम भालुओं के हमले से लोगों को बचाना होगा. कंट्रोल को लेकर यह मंत्रालय आने वाले दिनों में एक रोडमैप तैयार करेगा. यह फैसला गुरुवार को कैबिनेट फेरबदल के दौरान लिया गया. ब्लूमबर्ग के मुताबिक जापान भालुओं के हमले से काफी परेशान है. इसको लेकर लगातार लोगों की शिकायत आ रही थी. अब सरकार ने इसके कंट्रोल के लिए अलग से मंत्रालय बनाने का फैसला किया है. जापान सरकार ने कैबिनेट फेरबदल में सत्ताधारी दल के सांसद हिरोयोशी सासागावा को भालू कंट्रोल मामलों के विभाग का नया मंत्री नियुक्त किया है. उन्हें पर्यावरण मंत्रालय की भी जिम्मेदारी दी गई है. इसके अलावा वे आपातकालीन परमाणु विभाग का कामकाज भी देखेंगे. नए फेरबदल में वित्त, रक्षा, वाणिज्य और विदेश मंत्रियों के कामकाज में कोई बदलाव नहीं किया गया है. तकाएची का कहना है कि यह कैबिनेट का पुनर्गठन है।

अमेरिका का नया नियम: 30 पार कर चुके सैनिकों की टेस्टोस्टेरोन जांच अब जरूरी, पेंटागन ने जारी की गाइडलाइन

वॉशिंगटन , एजेंसी। पेंटागन ने 30 साल और उससे ज्यादा उम्र के अमेरिकी सैनिकों के लिए टेस्टोस्टेरोन की कमी की अनिवार्य जांच शुरू करने के लिए नई क्लिनिकल गाइडलाइन जारी की हैं। इसके साथ ही, इलाज के लिए सीमाएं तय की हैं। वहीं, सिर्फ परफॉर्मेंस बेहतर बनाने के लिए इस हार्मोन का इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी भी दी है।

रक्षा स्वास्थ्य एजेंसी ने क्या निर्देश जारी की है : रक्षा स्वास्थ्य एजेंसी ने 17 सितंबर को गाइडेंस जारी की। यह जुलाई के उस निर्देश के तहत पुरुष सैन्य कर्मियों के लिए स्क्रीनिंग और इलाज की एक जैसी प्रक्रियाएं तय करती है, जिसमें सक्रिय और आरक्षित कर्मियों शामिल हैं। 30 साल से कम उम्र के लोग स्क्रीनिंग के लिए अनुरोध कर सकते हैं। पेंटागन ने इस पहल को युद्ध की तैयारियों से जोड़ा।

पेंटागन की ओर से क्या कहा गया : पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'विभाग एक ऐसी तैयार और घातक लड़ाकू फोर्स बनाने और उसे बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो युद्ध के मैदान में दबदबा बनाने और ताकत के जरिए शांति हासिल करने में सक्षम हो।' हालांकि, क्लिनिकल दस्तावेज में पुष्टि की गई कमी का इलाज करने और युद्ध

के मैदान में बेहतर प्रदर्शन के लिए टेस्टोस्टेरोन देने के बीच स्पष्ट अंतर बताया गया है।

इसमें कहा गया है, 'मौजूदा सबूतों के आधार पर, किसी बीमारी या कमी के इलाज के बजाय परफॉर्मेंस बेहतर बनाने के मकसद से दी जाने वाली सलाह को सही नहीं ठहराया जा सकता।' गाइडेंस के मुताबिक, स्क्रीनिंग की शुरुआत लक्षणों और जोखिम वाले कारकों (रिस्क फैक्टर्स) के व्यवस्थित आकलन से होती है। अगर यह आकलन पॉजिटिव आता है या लिस्ट में शामिल कोई जोखिम कारक मौजूद होता है, तो इसके बाद ब्लड टेस्ट किया जाता है। स्क्रीनिंग की जरूरत का मतलब यह नहीं है कि हर सर्विस मेंबर को अपने-आप हार्मोन ट्रीटमेंट मिल जाएगा। बीमारी का पता लगाने के लिए लगातार कम टेस्टोस्टेरोन लेवल और उससे जुड़े लक्षणों का होना जरूरी है। सिर्फ लैब की कम रीडिंग या सिर्फ लक्षण काफी नहीं हैं। गाइडलाइन के अनुसार, अलग-अलग दिनों में खाली पेट सुबह के समय खून के दो सैंपल लेने चाहिए। इसमें यह भी कहा गया है कि अगर टोटल टेस्टोस्टेरोन रीडिंग नॉर्मल रेंज में होने के बावजूद लक्षण बने रहते हैं, तो आगे और टेस्ट किए जाने चाहिए।

इसके लक्षणों में क्या होती है : इसके लक्षणों में ऊर्जा में कमी, ध्यान लगाने में दिक्कत, मांसपेशियों का कम होना और उदास महसूस करना शामिल हो सकता है। गाइडेंस में चेतावनी दी गई है कि ये लक्षण नींद की कमी, मानसिक तनाव, जरूरत के हिसाब से कैलोरी न लेने और मिलिट्री सर्विस में आम दूसरी स्थितियों जैसे भी हो सकते हैं। गाइडेंस में बताए गए मिलिट्री सर्विलांस रिकॉर्ड से पता चलता है कि 2018 और 2025 के बीच, हर साल 1% से भी कम पुरुष सर्विस मेंबर में एक्टिव क्लिनिकल डायग्नोसिस पाया गया।

टेस्टोस्टेरोन थेरेपी से क्या फायदा होते है : डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि टेस्टोस्टेरोन थेरेपी से शरीर की बनावट और बोन मिनरल डेंसिटी में फायदे देखे गए हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि ऊर्जा, जीवन-शक्ति, शारीरिक कार्यक्षमता या सोचने-समझने की क्षमता (कॉग्निशन) को बेहतर बनाने के लिए इसके इस्तेमाल का समर्थन करने वाले सबूत नहीं हैं। साथ में दी गई मरीजों के लिए जानकारी वाली शीट से यह साफ होता है कि इलाज करवाना एक विकल्प है।

थेरेपी से जिनकी हालत स्थिर है। उन्हें आम तौर पर बिना किसी विशेष छूट (वेवर) के तैनाती के लिए भेजा जा सकता है, बशर्ते दवा का प्रकार ऐसा हो। इलाज करने वालों को तैनाती की अवधि और उसके बाद के 90 दिनों के लिए पर्याप्त दवा का इंतजाम करना होगा, या फिर दोबारा दवा सप्लाई करने की योजना का रिकॉर्ड रखना होगा। खास तरह की ड्यूटी के लिए अलग नियम लागू रहेंगे।

35 मिलियन डॉलर के पोंजी केस में भारतीय मूल के शख्स को 11 साल की जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 35 मिलियन डॉलर से ज्यादा की पोंजी स्कीम के मामले में भारतीय मूल के निवेशक सिद्धार्थ जवाहर को 11 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। इस मामले में अमेरिकी फुटबॉल खिलाड़ी और टेलर स्विफ्ट के पति ट्रैविस केल्से का नाम भी पीड़ित निवेशकों में शामिल किया गया है। अदालत में मंगलवार को अभियोजन पक्ष ने 64 पीड़ितों के नाम पढ़े, जिनमें 38 वर्षीय ट्रैविस केल्से का नाम भी शामिल था। हालांकि, केल्से ने इस मामले में कितनी रकम निवेश की थी या उन्हें कितना नुकसान हुआ, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

कौन हैं सिद्धार्थ जवाहर : सिद्धार्थ जवाहर टेक्सास स्थित निवेश कंपनी स्विफ्टआर्क कैपिटल एलएलसी के संस्थापक थे। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, उन्होंने निवेशकों से 35 मिलियन डॉलर से ज्यादा जुटाए और बाद में नए निवेशकों से मिली रकम का इस्तेमाल पुराने निवेशकों को भुगतान करने के लिए किया। यह पोंजी स्कीम का तरीका है।

जवाहर ने जनवरी में तीन संघीय वायर फ्रॉड आरोपों में अपना अपराध स्वीकार किया था। अदालत ने उन्हें 11 साल की संघीय जेल की सजा सुनाने के साथ 31.35 मिलियन डॉलर की भरपाई करने का आदेश दिया है।

ट्रैविस केल्से कैसे जुड़े : 2021 में फोर्ब्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में ट्रैविस केल्से को स्विफ्टआर्क के एक फंड के निवेशक के तौर पर बताया गया था। इस फंड की सह-स्थापना सिद्धार्थ जवाहर ने की थी। केल्से के अलावा एनबीए खिलाड़ियों टिम हार्डवे जूनियर, गैरी हैरिस और मेसन प्लमली के नाम भी उस फंड के निवेशकों में बताए गए थे। हालांकि, इन खिलाड़ियों की मौजूदा मामले में पीड़ित के तौर पर स्थिति स्पष्ट नहीं है। केल्से ने जवाहर के फंड में कितनी रकम लगाई थी इसका भी सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं हुआ है। अभियोजन पक्ष ने यह जानकारी भी नहीं दी कि इस मामले में केल्से की सटीक भूमिका या वित्तीय नुकसान कितना था।

निवेशकों के पैसों का क्या किया : अभियोजन पक्ष के अनुसार, जवाहर ने निवेशकों से मिली रकम का केवल करीब 10 मिलियन डॉलर निवेश किया। बाकी रकम के एक हिस्से का इस्तेमाल पुराने निवेशकों को भुगतान करने और निजी खर्चों के लिए किया गया। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि जवाहर ने निजी विमान की उड़ानों, महंगे होटलों और महंगे रेस्तरां पर भी पैसे खर्च किए। अदालत में पेश दस्तावेजों के अनुसार, सजा सुनाए जाने से पहले समर्थन जुटाने के लिए उन्होंने अगस्त में राजनीतिक कंसल्टिंग फर्म एक्सियम स्ट्रैटेजीज को 10,000 डॉलर का भुगतान भी किया था। जवाहर भारत के रहने वाले हैं और अभियोजन पक्ष के अनुसार वह 2005 से बिना कानूनी इमिग्रेशन स्टेटस के अमेरिका में रह रहे थे।

कैमरून में बोको हराम का हमला, 13 नागरिकों की मौत, एक घायल

याउंडे, एजेंसी। कैमरून के सुदूर उत्तरी क्षेत्र में बोको हराम के आतंकियों के कथित हमले में कम से कम 13 नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। यह हमला गुरुवार को स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 1 बजे से 2 बजे के बीच लोगोन-एट-चारी डिवीजन के मकरी सब-डिवीजन के माडेगौआ इलाके में हुआ। हमले के समय स्थानीय लोग अपने घरों में सो रहे थे। नाम न बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि हमलावर इलाके में घुस आए और 13 नागरिकों की मौके पर ही हत्या कर दी। हमले में बचा एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों का मानना है कि यह हमला बदले की कार्रवाई हो सकता है। कुछ महीने पहले सुरक्षा बलों ने बोको हराम के आतंकियों के लिए भेजे जा रहे गोला-बारूद के एक बड़े जखीरे को जब्त किया था। इससे पहले अगस्त में कैमरून के सुदूर उत्तरी क्षेत्र में ही संदिग्ध बोको हराम आतंकियों ने कांगलेरी गांव पर हमला किया था। इस हमले में कम से कम आठ लोगों की मौत हुई थी और एक व्यक्ति घायल हुआ था।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह हमला 7 अगस्त की रात करीब 11 बजे हुआ था। हथियारबंद हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर गांव में घुसे थे और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए थे। हमले में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बाद में दो लोगों की मौत हो गई। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक इस हमले की पूरी परिस्थितियों की पुष्टि नहीं की है। उसी रात नाइजीरिया की सीमा के पास मोकोलो जिले के टूरू शहर में भी बोको हराम से जुड़े संदिग्ध हथियारबंद लोगों की गतिविधियां सामने आई थीं।

नाइजीरिया में अवैध खनन के आरोप में पकड़े गए कम से कम 33 लोगों की हिरासत में मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के नाइजर राज्य में सुरक्षा एजेंसी की कोठरी में बंद अवैध खनन के 33 संदिग्ध मृत पाए गए हैं। अधिकारियों ने किसी अज्ञात बीमारी या संक्रमण फैलने की आशंका जताई है, जबकि एक जीवित बचे व्यक्ति का आरोप है कि कोठरी में दम घुटने से यह हादसा हुआ। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

नाइजीरिया में अवैध खनन के आरोप में गिरफ्तार किए गए कम से कम 33 लोग बृहस्पतिवार को मृत पाए गए। ऐसी आशंका है कि इनलोगों की मौत संक्रमण के कारण हुयी है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

नाइजीरिया के अधिकारियों ने आशंका जताई है कि अवैध खनन के आरोपियों की मौत किसी संक्रमण के फैलने के कारण हुई है। हालांकि, इसमें जीवित बचे दाउदा

शेहू ने बताया कि 65 लोगों को एक ऐसी कोठरी में ठूंसकर रखा गया था जहां हवा आने-जाने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। उसने कहा कि हिरासत में रखे गए इन लोगों की मौत संभवतः दम घुटने से हुई।

'नाइजीरिया सिक्योरिटी एंड सिविल डिफेंस कोर' (एनएससीडीसी) के प्रवक्ता अबुबकर मुती ने बताया कि इन लोगों की मौत उत्तर-मध्य नाइजर राज्य में एनएससीडीसी की हिरासत में हुई। नाइजर में एनएससीडीसी के प्रमुख सुबेरू सियाका अनिविये ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि सुरक्षा एजेंसी ने राज्य में अवैध खनन के संदेह में मंगलवार और बुधवार को इन लोगों को गिरफ्तार किया था और तभी से वे हिरासत में थे। अनिविये ने कहा कि एजेंसी को आशंका है कि इन लोगों की मौत कोई बीमारी फैलने से हुई।

उन्होंने साथ ही कहा कि मौत के असल कारण का पता लगाने के लिए शवों को एक स्थानीय अस्पताल भेजा गया है ताकि ''आगे की चिकित्सकीय जांच'' की जा सके। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस बीमारी का संदेह है। शेहू ने कहा, ''हमें ठूंसकर रखा गया था और हवा आने-जाने की भी कोई व्यवस्था नहीं थी।

अचानक हमारा दम घुटने लगा और ताजा हवा के लिए हम छटपटाने लगे।'' शेहू ने अस्पताल में एपी से बातचीत की जहां शवों को परीक्षण के लिए भेजा गया है। उसने बताया कि कोठरी में बंद लोगों ने दरवाजा पीटकर सुरक्षा एजेंसी के गार्ड का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की। इस घटना में अपने दो बेटों को खोने वाले शफातु सुलेमान ने सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। नाइजर राज्य की पुलिस ने कहा कि उसने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विदेश मंत्री जयशंकर और भूटान के राजा ने थिम्पू के ताशिचो द्जोंग में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया

थिम्पू, एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने गुरुवार को भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ थिम्पू के प्रतिष्ठित ताशिचो जोंग में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ताशिचो जोंग में राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक की गरिमामयी उपस्थिति में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया गया। हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल के समर्पित जनसेवा को सम्मान दिया, जिसने दुनियाभर में अनगिनत जिंदगियों पर प्रभाव डाला है। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, भूटान के विदेश मंत्री डीएन धुंग्येल, भूटान में भारत के मित्र और भारतीय समुदाय

के लोग भी शामिल हुए।' इससे पहले दिन में विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री तोबगे के साथ अपनी बैठक के दौरान हिमालयी देश को 54 'मेड इन इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन सौंपे। विदेश मंत्री जयशंकर ने पीएम तोबगे को पीएम मोदी की ओर से शुभकामनाएं भी दीं और भूटान की प्रगति और समृद्धि के प्रति भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बैठक के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज थिम्पू में भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मिलकर खुशी हुई। पीएम मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। हमारी दोस्ती और सहयोग के अनोखे संबंधों के लिए उनकी भावनाओं की गहराई से कद्र करता हूं। भारत भूटान की प्रगति और समृद्धि के लिए मजबूती से प्रतिबद्ध है।' वहीं, भूटान को 54 'मेड इन इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन सौंपते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत ई-मोबिलिटी और सतत परिवहन की दिशा में भूटान की प्रगति का समर्थन कर रहा है।

स्वस्थ खान-पान, सक्रिय जीवन से हो रही लंबी आयु; 100 पार में 87.6% महिलाएं

टोक्यो , एजेंसी। जापान में 100 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या पहली बार एक लाख के पार पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में अब 1,07,677 शतायु हैं। इनमें 94,298 महिलाएं यानी 87.6% और 13,379 पुरुष हैं। पिछले साल के मुकाबले इनकी संख्या 7,914 बढ़ी है। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

जापान में 100 साल पार लोगों की संख्या बढ़ने के पीछे स्वस्थ खान-पान, बेहतर पोषण और जीवन परिस्थितियों में सुधार, सक्रिय रहना, नियमित स्वास्थ्य जांच और बेहतर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं को प्रमुख वजह माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, महिलाओं के अधिक समय तक जीवित रहने की एक वजह इस पीढ़ी के पुरुषों में धूम्रपान और शराब का अधिक चलन भी रहा। पुरुषों का ज्यादा शारीरिक मेहनत वाले कामों में रहना भी एक कारण माना जाता है। उम्र बढ़ने के बाद महिलाओं का परिवार और समुदाय से जुड़े रहना भी उनके लिए फायदेमंद रहा। उपलब्धि के साथ बड़ी चुनौती भी शतायु लोगों की बढ़ती संख्या जापान के लिए उपलब्धि के साथ चुनौती भी है। देश पहले से ही घटती आबादी और बढ़ते बुजुर्ग वर्ग से जूझ रहा है। 2020 से 2025 के बीच जापान की आबादी करीब 31 लाख कम हुई और अब देश की कुल आबादी करीब 12.23

करोड़ है। जन्मदर कम होने से युवा और कामकाजी आबादी घट रही है। इससे पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में इसका असर ज्यादा है। इस समय जापान की कुल आबादी करीब 12.26 करोड़ है।

सबसे बुजुर्ग महिला 114 और पुरुष 112 साल के जापान की सबसे बुजुर्ग जीवित महिला फुयो किशिमोटो हैं, जो क्योटो की रहने वाली हैं। उनकी उम्र 114 वर्ष है। सबसे बुजुर्ग पुरुष हिकारू काटो हैं, जो कुमामोटो के रहने वाले हैं और 112 वर्ष के हैं। निगाता के ओसोनोगो गांव के 107 वर्षीय तेत्सुओ सातो भी शतायु लोगों में शामिल हैं। सुनने और देखने में परेशानी के बावजूद वह खुद को व्यस्त रखते हैं। 1963 में सिर्फ 153 थे जापान में शतायु लोगों की संख्या 1963 में सिर्फ 153 थी। 1981 में यह एक हजार, 1998 में 10 हजार और 2012 में 50 हजार के पार पहुंच गई। 2025 में यह 99,763 थी, जो अब एक लाख पार हो गई है।

पाकिस्तान में कंगाली का असर! सरकारी गाड़ियों का पेट्रोल आधा; विदेश यात्रा पर भी ब्रेक

इस्लामाबाद, एजेंसी। आर्थिक दबाव से जूझ रहे पाकिस्तान ने सरकारी खर्च कम करने के लिए अब सीधे सरकारी गाड़ियों से लेकर विदेश यतक पर कैंची चला दी है. पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को जारी आदेश में सरकारी वाहनों के लिए ईंधन की उपलब्धता 50 फीसदी घटाने का फैसला किया है. यह व्यवस्था तीन महीने के लिए लागू रहेगी. हालांकि सेना, कानून-व्यवस्था और जरूरी सेवाओं से जुड़े ऑपरेशनल वाहनों को इससे बाहर रखा गया है.

पाकिस्तानसरकार ने नई सरकारी गाड़ियां खरीदने पर पूरी तरह रोक लगा दी है. इतना ही नहीं, IT से जुड़ी खरीद को छोड़कर दूसरे टिकाऊ सामान की खरीद पर भी रोक लगा दी गई है. यानी फिलहाल सरकारी दफ्तरों में नई गाड़ी और नया सामान खरीदने का रास्ता बंद रहेगा.

विदेश यात्रा भी इमरजेंसी मोड में : अगले तीन महीनों तक सरकारी अधिकारियों की विदेश यात्राओं पर पूरी रोक रहेगी. यहां तक कि जरूरी यात्राओं को भी सामान्य तौर पर मंजूरी नहीं होगी. कुछ सीमित अपवाद रखे गए हैं, जबकि अनिवार्य यात्राओं में मंत्रियों, सलाहकारों और अन्य सरकारी पदाधिकारियों को इकोनॉमी क्लास में सफर करना होगा. बैठकों के लिए भी सरकार ने कहा है कि जहां संभव हो, टेलीकॉन्फ्रेंसिंग का इस्तेमाल

किया जाए. सरकारी खर्च पर सेमिनार, ट्रेनिंग और कॉन्फ्रेंस आयोजित करने पर भी रोक लगाई गई है.

दावतों पर भी सरकारी ब्रेक : पाकिस्तान सरकार ने सरकारी आधिकारिक डिनर की मेजबानी पर भी रोक लगा दी है. अपवाद सिर्फ विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के लिए रखा गया है. इतना ही नहीं, शादी से जुड़े कार्यक्रमों में सिर्फ एक डिश परोसने का निर्देश दिया गया है. और बाजारों की टाइमिंग भी जस की तस रहेगी–दुकानें और बाजार रात 9 बजे, मैरिज हॉल 10 बजे और रेस्तरां-कैफे रात 11 बजे तक बंद करने होंगे. टेकअवे और होम डिलीवरी को इससे छूट दी गई है. पाकिस्तान सरकार ने साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 के गैर-ईआरई बजट में 5 फीसदी कटौती का फैसला किया है. सरकार ने प्रांतीय और क्षेत्रीय ससरकारी वाहनों के ईंधन में 50 फीसदी कटौती कैबिनेट डिवीजन की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, सरकारी और प्रशासनिक वाहनों के लिए ईंधन आवंटन आधा कर दिया गया है। यह व्यवस्था तीन महीने तक लागू रहेगी। हालांकि सशस्त्र बलों, सिविल आर्म्ड फोर्सेज, कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों और जरूरी सेवाओं से जुड़े ऑपरेशनल वाहनों को इससे छूट दी गई है। सरकार ने सभी तरह के नए वाहनों की खरीद पर भी रोक लगा दी है। इसके साथ ही आईटी से जुड़ी खरीद को छोड़कर टिकाऊ सामान की सरकारी खरीद पर प्रतिबंध लगाया गया है। विकास परियोजनाओं को इन दोनों प्रतिबंधों से बाहर रखा गया है।रकारों को भी इसी तरह के उपाय अपनाने पर विचार करने को कहा है.

शादी में अब सिर्फ एक डिश : पाकिस्तान सरकार के नए निर्देशों का असर शादी और अन्य समारोहों पर भी पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, मैरिज फंक्शन और शादी से जुड़े आयोजनों में अब केवल एक डिश परोसने की अनुमति होगी। यह कदम गैर-जरूरी खर्च और संसाधनों की खपत कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसके अलावा मैरिज हॉल और अन्य समारोह स्थल रात 10 बजे तक बंद करने होंगे। रेस्टोरेंट, कैफे और अन्य खाने-पीने के आउटलेट्स को रात 11 बजे तक बंद करने का निर्देश दिया गया है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामलीला कमेटी का हुआ गठन

सुनील रावत अध्यक्ष, साधना अग्रवाल बनीं सचिव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :: मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामलीला कमेटी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। सुनील रावत को अध्यक्ष, साधना अग्रवाल को सचिव चुना गया। जबकि दिनेश शर्मा को कोषाध्यक्ष, प्रेम प्रजापति और सौरभ मिश्रा को मीडिया प्रभारी, जय प्रकाश केष्टवाल, जगदीश फुलारा, दिनेश रावत, कमल आर्य को स्टेज डायरेक्टर, राधेश्याम शर्मा, संदीप वर्मा को मंच संचालक की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी में धर्मवीर गुसांई, विकास मित्तल, नीरज गुप्ता, विजय अग्रवाल, विश्वास अग्रवाल, ज्योति चौधरी, दीपक भट्ट, दिनेश तड़ियाल, कुसुम मोंगिया, विपिन डोबरियाल, अर्चना शर्मा, संगीता रावत, गौरव जखमोला, गणेश डबराल, हीरा भंडारी, सुरेश अग्रवाल, आयुष पंत, नितिन अग्रवाल, दीपक कपटियाल, वीरेंद्र गार्गी, संजीव गर्ग, अरविंद वर्मा, कृष्ण मोहन सती, विशाल कुमार, अनिल नेगी, अंशु मोगिया, पंकज अग्रवाल, अनिल नेगी, संजय शर्मा, अमित अग्रवाल, अमित थपलियाल, जितेंद्र बेबनी, जीवन जैन, राकेश अग्रवाल, रवि गौड़, दीपक कुमार, आरेश कुमार, राजू छाबड़ा, शिरीष कुमार, संजय गौड़, आयुष अग्रवाल, विशाल सैनी, अनिल खंतवाल, नीतीश गुप्ता, दिनेश बौठियाल, वरुण कश्यप, जितेंद्र रावत को सदस्य मनोनीत किया गया। कमेटी के मीडिया प्रभारी प्रेम प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि रामलीला के वरिष्ठ व अनुभवी कलाकार पंकज अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित नजीबाबाद रोड स्थित एक वेडिंग प्वाइंट में आयोजित बैठक में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामलीला कमेटी कर सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि 23 सितंबर से रामलीला का मंचन शुरू होगा। मंचन दोपहर तीन बजे से सांय छः बजे होगा। 26 सितंबर को नगर क्षेत्र में बड़ी धूमधाम से श्री राम बारात की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, 7 अक्टूबर शाम को माता की चौकी लगाई जाएगी तथा 8 अक्टूबर को दिन से लेकर प्रभु इच्छा तक भंडारे का प्रसाद वितरण किया जाएगा।

प्राथमिक विद्यालय पाखरी को फिर से संचालित किया जाय

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : एकेश्वर ब्लॉक के ग्राम पाखरी में कम छात्र संख्या के कारण बंद किए गए प्राथमिक विद्यालय को दोबारा संचालित करने की मांग उठाई है। ग्राम प्रधान लक्ष्मी देवी ने जिलाधिकारी पौड़ी को ज्ञापन भेजकर विद्यालय को पुनः खोलने की मांग की है, ताकि गांव के बच्चों को नजदीक ही शिक्षा की सुविधा मिल सके। ज्ञापन में ग्राम प्रधान ने कहा कि कम छात्र संख्या के चलते पूर्व में गांव का प्राथमिक विद्यालय बंद कर दिया गया था। इसके बाद गांव के चार नौनिहालों को पढ़ाई के लिए करीब पांच किलोमीटर दूर प्राथमिक विद्यालय पैंछारी जाना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान ने कहा कि जंगली जानवरों के खतरे के बीच बच्चों को विद्यालय तक पहुंचाना और वापस लाना ग्रामीणों के लिए चुनौती बना हुआ है, जिन ग्रामीणों के बच्चे पैंछारी विद्यालय में पढ़ रहे हैं, उनका अधिकांश समय बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने में बीत रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से जनहित में ग्राम पाखरी के बंद पड़े प्राथमिक विद्यालय को पुनः संचालित करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री युवा मंथन कार्यक्रम में चौबट्टाखाल विस से एकेश्वर ब्लॉक का परचम

मुख्यमंत्री युवा मंथन के तहत हुई निबंध प्रतियोगिता विषय मेरे सपनों का उत्तराखण्ड एक विकसित राज्य हेतु मेरा दृष्टिकोण में चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र से एकेश्वर ब्लॉक से दो छात्राओं का चयन हुआ है। जिसमें जनता इंटरमीडिएट कॉलेज कमलपुर संगलाकोटी से साक्षी पोखरियाल व राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज मैटाकुंड से कुमारी दिव्या का चयन पुरस्कार हेतु हुआ है। शुक्रवार को देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा छात्राओं से संवाद व पुरस्कृत किया गया।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखण्ड के भावी स्वरूप को लेकर युवाओं की कल्पनाशीलता, चिंतन और सृजनात्मक दृष्टि को मंच प्रदान करने वाली राज्यव्यापी पहल 'मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन' कार्यक्रम में एकेश्वर ब्लॉक की दो छात्राओं का सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनता इंटरमीडिएट कॉलेज कमलपुर संगलाकोटी से साक्षी पोखरियाल व राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज मैटाकुंड से दिव्या ने अपने सुझाव साझा किये। उत्तराखण्ड सरकार के पुरस्कृत किया गया। जनता इंटर कॉलेज कमलपुर के प्रधानाचार्य संजय रावत व राइंका मैटाकुंड के प्रधानाचार्य जगदीश चन्द्र पांडे ने छात्राओं के चयन पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके विद्यालय के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। छात्राओं को विद्यालय प्रशासन द्वारा भी पुरस्कृत किया जायेगा। खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. गुंजन अमरोही ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि छात्राओं ने एकेश्वर विकासखंड को गौरवान्वित किया है।

संक्षिप्त समाचार

गांवों में जनसंपर्क कर मेडिकल कॉलेज आंदोलन से जुड़ने का आह्वान

नई टिहरी। नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति की पहल पर चल रही जनजागरण रथ यात्रा चौथे दिन जाखणीधार ब्लॉक के गांवों में पहुंची। यात्रा में शामिल लोगों ने ग्रामीणों से जनसंपर्क कर नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज की आवश्यकता की जानकारी दी।

जनजागरण रथ यात्रा में नागरिक मंच के संरक्षक चंडी प्रसाद डबराल, असद आलम, सरताज अली, सुरेंद्र सिंह मखलोगा, इमरान खान, जितेंद्र सिंह रावत शामिल रहे। वहीं, मेडिकल कॉलेज की मांग के समर्थन में बौराड़ी गणेश चौक पर 19वें दिन त्रिलोक चंद रमोला और विजय सिंह नेगी क्रमिक अनशन पर बैठे। टिहरी मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर चल रहा सत्याग्रह भी 49वें दिन जारी रहा। सत्याग्रह पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट, कमल सिंह मेहर, सुधा पडियार, सीमा रावत आदि बैठे। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज निर्माण का शासनादेश जारी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

जल स्रोतों का संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी

नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत चलाया हस्ताक्षर अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भक्तदर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरीखाल में नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

अभियान के माध्यम से आमजन को यह संदेश दिया गया कि जल स्रोतों का संरक्षण केवल सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर के साथ-साथ गुमखाल बाजार एवं जयहरीखाल बाजार में भी हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों, कर्मचारियों, स्थानीय व्यापारियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक अभियान में भाग लेते हुए स्वच्छता, जल स्रोतों के संरक्षण तथा नदियों को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को गंगा एवं अन्य जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। नमामि गंगे कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ0 अजय रावत ने कहा कि नमामि गंगे जैसे जनभागीदारी आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों और आमजन में पर्यावरण एवं जल संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने सभी से स्वच्छता एवं जल स्रोतों के संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

शिवा पांडे ने की यूजीसी नेट परीक्षा पास

कोटद्वार। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार की रिसर्च स्कॉलर शिवा पांडे ने यूजीसी नेट (UGC NET) असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा उत्तीर्ण की है। शिवा पांडे वर्तमान में महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वर्षा के मार्गदर्शन में अंग्रेजी विषय में शोध (पीएचडी) कर रही हैं। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपनी गाइड डॉ. वर्षा को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग के चलते उन्होंने यह परीक्षा उत्तीर्ण की। उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो डीएस नेगी अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. निशांत भट्ट, डॉ. रजनी बाल, डॉ जितेंद्र सिंह सहित डॉ ऐश्वर्या राणा , अरविन्द दुदपुड़ी समस्त कला संकाय के प्राध्यापक गणों ने उन्हें

प्रदेश में लॉ एंड आर्डर को बेहतर बनाना प्राथमिकता : अपर पुलिस महानिदेशक

अपर पुलिस महानिदेशक डॉ0 वी. मुरूगेशन ने किया कोतवाली कोटद्वार का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शनिवार को अपर पुलिस महानिदेशक डॉ0 वी. मुरूगेशन द्वारा कोतवाली कोटद्वार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था, अभिलेखों के रख-रखाव, जनशिकायत निस्तारण व्यवस्था, साइबर अपराधों की रोकथाम, महिला सुरक्षा एवं नागरिक सेवाओं से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया गया।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर को बेहतर बनाना पुलिस की प्राथमिकता है। एडीजी ने साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी को लेकर भी चिंता जताई। कहा कि साइबर ठगी को रोकने के लिए पुलिस को हाईटेक बनाया जा रहा है और पुलिस की तकनीकी क्षमता को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने साइबर ठगी से बचने के लिए जागरूक और सर्तक रहने की अपील की।

एडीजी ने कहा कि महिला सुरक्षा एवं सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है। महिलाओं से संबंधित प्रत्येक शिकायत का गंभीरता, गोपनीयता एवं संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लिया जाए। अपर पुलिस महानिदेशक ने महिला हेल्प डेस्क को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाए रखने, पीड़ित महिलाओं को आवश्यक कानूनी सहायता, परामर्श एवं सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को अपर पुलिस महानिदेशक कोतवाली कोटद्वार पहुंचे। उन्होंने सर्वप्रथम सलामी गार्द का अभिवादन स्वीकार कर गार्द का निरीक्षण किया। इसके उपरांत थाना परिसर का भ्रमण करते हुए मालखाना, हवालात, शस्त्रागार, महिला हेल्प डेस्क, आगंतुक कक्ष, साइबर सेल, सीसीटीवी कंट्रोल रूम सहित विभिन्न शाखाओं एवं व्यवस्थाओं का नरीक्षण किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्यवस्थाओं को बेहतर बनाएं रखने तथा कार्यकुशलता एवं अनुशासन पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी एवं शिकायतकर्ता की समस्या को सम्मान, संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ सुनने के निर्देश दिए। साथ ही शिकायतों का विधिवत अभिलेखीकरण सुनिश्चित करते हुए शिकायतकर्ता का नाम, पता, संपर्क विवरण एवं शिकायत का स्पष्ट विवरण दर्ज करने तथा प्रत्येक शिकायत पर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने गुमशुदगी के मामलों को अत्यंत संवेदनशीलता एवं गंभीरता से लेने के साथ ही किसी व्यक्ति, महिला अथवा बच्चे के गुम होने की सूचना प्राप्त होते ही नियमानुसार तत्काल एफआईआर पंजीकृत कर बिना किसी विलंब के आवश्यक खोजबीन, सूचना प्रसार एवं वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ करने पर विशेष जोर दिया। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डिजिटल सेवाओं एवं जनशिकायत निस्तारण पर विशेष जोर

अपर पुलिस महानिदेशक डॉ0 वी. मुरूगेशन ने सीसीटीएनएस पोर्टल, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं अन्य ऑनलाइन जनसेवा प्लेटफॉर्म पर दर्ज शिकायतों एवं प्रविष्टियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। उन्होंने लंबित विवेचना, प्रार्थना पत्रों एवं शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के लिए प्रभारी निरीक्षकों एवं संबंधित कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों के प्रति उत्तरदायी एवं परिणाममुखी पुलिसिंग सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाय।

साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जनजागरूकता को प्राथमिकता

अपर पुलिस महानिदेशक डॉ0 वी. मुरूगेशन ने साइबर अपराधों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ निरंतर जनजागरूकता को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने आमजन को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया फ्रॉड, निवेश एवं लॉटरी के नाम पर धोखाधड़ी, फर्जी कॉल तथा साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए-नए तरीकों के प्रति नियमित रूप से जागरूक करने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

1500 मी. दौड़ में सोनिया तीन हजार मी. दौड़ में निशा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लैंसडौन विधानसभा क्षेत्र के मुख्यमंत्री चैंपियन ट्रॉफी खेल महाकुंभ के अंतर्गत शनिवार से बालिका वर्ग की खेल प्रतियोगिताएं शुरू हो गई है। 1500 मीटर दौड़ में सोनिया धामधार ने प्रथम, रिया जयहरीखाल ने द्वितीय, अंशिका नैनीडांडा ने तृतीय और 3000 मीटर दौड़ में निशा नैनीडांडा ने प्रथम, सिमरन रिखणीखाल ने द्वितीय एवं भावना जयहरीखाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

राजकीय इंटर कॉलेज जयहरीखाल के खेल मैदान पर शुरू हुई प्रतियोगिताओं में अंडर-14 वर्ग की 60 मीटर दौड़ में प्रिया धामधार, अनिशा सेंधीखाल, त्रिक्षिका उटिंडा, 600 मीटर दौड़ में अनिशा सेंधीखाल, अंशिका भौंन, प्रिया धामधार, गोला फेंक में आकांक्षा किनाथ, अंबिका धौलखेतखाल, एवं आदिति धामधार क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही। अंडर-19 वर्ग की 100 मीटर दौड़ में सोनिया धामधार, आरुषि जयहरीखाल, हिमानी रिखणीखाल, 200 मीटर दौड़ में आरुषि जयहरीखाल, प्रियांशी रिखणीखाल, सोनाली नैनीडांडा, 400 मीटर दौड़ में प्रियंका जयहरीखाल, अंशिका धामधार, सोनाक्षी नैनीडांडा, 800 मीटर दौड़ में प्रियांशी धौलखेतखाल, शिवानी कसाना एवं कोमल जयहरीखाल क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही।

चाचा को धमकी देने के आरोप में भतीजा गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोतवाली पुलिस ने चाचा को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भतीजे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के पास से एक तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद किये है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि गत शुक्रवार को दर्शन सिंह बिष्ट निवासी नन्दपुर, थाना कोटद्वार ने थाने पर सूचना दी कि उनका भतीजा सुमित बिष्ट उर्फ गपलू पुत्र उत्तम बिष्ट उनको तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस पर तुरंत अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त सुमित बिष्ट उर्फ गपलू जो घटना के तुरंत बाद घर से भाग गया था। विवेचक उपनिरीक्षक मेहराज खान ने पुलिस बल के साथ मुखबिर की सूचना पर बीती शुक्रवार रात्रि में लगभग पौने दस बजे मालन पुल के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस ने अभियुक्त के पास से घटना में प्रयुक्त किया गया तमंचा और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अभियुक्त को रिमांड हेतु माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

UTTARAKHAND

उत्तराखण्ड राज्य

कार्यालय
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, पाबौ

E-Mail ID-eecdpwdpaboo@gmail.com. eecdpab.pwduk@gov.in

पत्रांकः- 647/12ए0सी0 दिनांक 19/09/2026

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 पाबौ द्वारा निम्नलिखित कार्यों की शील्ड निविदा दिनांक 06.10.2026 को आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 21.09.2026 से 05.10.2026 किसी भी कार्य दिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा दिनांक 06.10.2026 अपरान्ह् 02:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाली जा सकती है। निविदा दिनांक 06.10.2026 को अपरान्हन 4:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा विक्रय एवं प्राप्त करने वाले कार्यालयो के नामः–

निविदा विक्रय एवं प्राप्त करने वाले कार्यालयों के नामः–

1. कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, 12वां वृत्त लो0नि0वि0, पौड़ी। 2. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0 लो0नि0वि0, पाबौ। 3. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0 लो0नि0वि0, पौड़ी। 4. कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अ0ख0 लो0नि0वि0, कीर्तिनगर।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा का मूल्य	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार की श्रेणी।
1	वित्तीय वर्ष 2006-27 में वार्षिक अनुरक्षण / एस0डी0आर0 एफ0/एस0डी0एम0एफ0 के अन्तर्गत दमदेवल कलगडी खिर्सू खेड़ाखाल काण्डाई मोटर मार्ग को कि0मी0 45 है0मी0 0-2 में क्षतिग्रस्त वॉश आउट भाग का पुनः निर्माण कार्य।	24500.00	1500+ 18% GST	90 दिन	3 माह	डी एवं उच्चतर मार्ग कार्य में पंजीकृत
2	वित्तीय वर्ष 2026-27 में एस0डी0एम0एफ0 के अन्तर्गत विकासखण्ड पाबौ में पाबौ बाजार के भूस्खलित भाग का एक डिस्पोजल व क्षतिग्रस्त भाग का सुरक्षात्मक कार्य।	26000.00	1500+ 18% GST	90 दिन	3 माह	-तदैव-
3	वित्तीय वर्ष 2006-27 में वार्षिक अनुरक्षण / एस0डी0आर0 एफ0/एस0डी0एम0एफ0/ बाढ़ भूस्खलीन के अन्तर्गत काण्डा घण्डियाली मोटर मार्ग के कि0मी0 01 से 04 में क्षतिग्रस्त भाग का सुरक्षात्मक कार्य।	25000.00	1500+ 18% GST	90 दिन	3 माह	-तदैव-

1- निविदा प्रपत्र के साथ वांछित धरोहर धनराशि एन0एस0सी0, डाकघर बचत बैंक पास बुक अथवा भारत में किसी अनुसूचित बैंक की जमा रसीद के रूप में, जो अद्योहस्ताक्षरी के पदनाम से बंधक हो, लगाना आवश्यक है।

2- निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 रु0 का स्टाम्प पेपर एवं रू0 1.00 का हस्ताक्षर युक्त रसीदी टिकट हो, वैधता की शर्तों के साथ लगाना अनिवार्य है, इसके बिना निविदा पर विचार नहीं किया गया जायेगा।

3- निविदा की शर्तें जी0पी0डब्लू0 9 निविदा प्रपत्र एम0एफ0 69/70 एवं शासनादेश संख्या 2611/111 (2) 07-75 सा0 दिनांक 26.10.2007 के अनुसार होगी, निविदा की अन्य शर्ते/नियम निविदा प्रपत्र प्राप्त कर देखी जा सकती है।

4- निविदा स्वीकृति की प्रत्याशा में है। कार्य की स्वीकृति प्राप्त न होने पर उक्त निविदा को स्वतः निरस्त माना जायेगा।

नोटः- निविदा प्रपत्र क्रय करते समय ठेकेदारों को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पाबौ

सोनिया का इन्कार काबिल–ए–तारीफ निर्णय

सोनिया गांधी अपने अनुभव सुनाना चाहती हैं, तो आखिर उसका अवसर उन्हें क्यों नहीं मिलना चाहिए? अगर उनकी टिप्पणियां पूर्वाग्रह भरी हुईं, तो उनसे आहत पक्ष के पास जवाब देने का पूरा अवसर मौजूद रहेगा। कहने को तो भारत लोकतंत्र है, लेकिन यहां विपक्ष के सर्व–प्रमुख नेताओं तक को अपनी कहानी बताने की आजादी नहीं है! सोनिया गांधी नरेंद्र मोदी या आरएसएस के बारे में अपने अनुभव या अपनी राय सुनाना चाहती हैं, तो आखिर उसका अवसर उन्हें क्यों नहीं मिलना चाहिए? भारत– चीन संबंध से जुड़ी किसी घटना पर उनकी राय को देश के सामने आने से क्यों रोका जाना चाहिए? अगर उनकी टिप्पणियां पूर्वाग्रह भरी होंगी या उनसे कोई गलतबयानी सामने आएगी, तो उससे आहत व्यक्ति या पक्ष के पास जवाब देने का अवसर तो मौजूद ही रहेगा। एक बार एक फिल्म पर प्रतिबंध से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि असहमत व्यक्ति फिल्म ना देखने या अभिव्यक्ति के अपने माध्यम से उसका जवाब देने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन लोकतंत्र में कलाकृति या वैचारिक अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध का कोई औचित्य नहीं है।लेकिन ये उस दौर की बात है, जब प्रतिबंध सरकार का विशेषाधिकार समझा जाता था। तब परोक्ष दबाव या सामाजिक ट्रोलिंग के जरिए अघोषित प्रतिबंध का चलन नहीं था। ताजा मामले में प्रत्यक्ष रूप से सरकार कहीं मौजूद नहीं है। मगर देश के मौजूदा सियासी माहौल का गहरा साया इस पर साफ देखा जा सकता है। सोनिया गांधी की आत्म–कथा– 'बिलॉन्गिगः ए जर्नी ऑफ लवइ को जो प्रकाशक अमेरिका में छाप रहा है, खबरों के मुताबिक उससे ही जुड़े भारतीय प्रकाशक ने भारत में इसे जारी करने से इनकार कर दिया है।

बताया जाता है कि भारतीय संस्करण में सोनिया गांधी से कुछ हिस्सों को हटाने को कहा गया, जिससे उन्होंने मना कर दिया। गुजरे सवा दशक में उसी प्रकाशक ने भारत में कई किताबों को इसीलिए नहीं प्रकाशित किया, क्योंकि उससे सत्ता या अन्य शक्तिशाली पक्षों के नाराज होने का अंदेशा था। जबकि कुछ लेखकों ने प्रकाशकों के दबाव में "आपत्तिजनक" हिस्से हटा कर किताब छपवा लेना बेहतर समझा। ऐसा करने से सोनिया गांधी का इनकार काबिल–ए–तारीफ निर्णय है। मगर इस घटनाक्रम ने भारत में अभिव्यक्ति के सिकुड़ते दायरे को जग–जाहिर कर दिया है, जिससे लोकतंत्र की स्थिति पर उठे सवाल और संगीन हो गए हैं।

सूक्ति

प्राण क्या है देशहित के लिए, देश खोकर हम जिए तो क्या जिए।
- कामताप्रसाद गुरु

देश की रक्षा राजा की सेना नहीं करती, देश की प्रजा करती है।
- लक्ष्मीनारायण मिश्र

जब चुनाव आयोग ही दलों की पहचान तय करने लगे, तो लोकतंत्र किसके भरोसे?

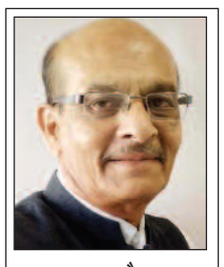

सनत जैन

भारत में चुनाव आयोग लोकतंत्र का प्रहरी है। संविधान ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए उसे असीम शक्तियां दे रखी हैं। संविधान ने उसे इसलिए स्वतंत्र बनाया था, वह निष्पक्ष चुनाव करा सके। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के समय पर चुनाव आयोग की धाक सारी दुनिया और देश में थी। सत्तापक्ष और विपक्ष के सभी नेता चुनाव आयोग की कार्यवाहियों को लेकर हमेशा सजग रहते थे। उस समय सभी राजनीतिक दलों को समानता का अवसर मिले, इस बात का ध्यान चुनाव आयोग ने रखा था। आज सबसे बड़ा सवाल यह है, क्या चुनाव आयोग केवल चुनाव कराने वाली संवैधानिक संस्था है? या केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने वाली एक ऐसी संवैधानिक संस्था बन गई है जो सरकार के इशारे पर सरकार के लिए काम कर रही है? चुनाव आयोग अब राजनीतिक दलों के अस्तित्व, नाम और चुनाव चिन्ह का फैसला करने वाली ऐसी शक्ति बनता जा रहा है, जिसके निर्णय से किसी पार्टी की पूरी राजनीतिक पहचान बदल सकती है? हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कई वर्षों से मामले सुनवाई के लिए पड़े हैं। उन पर समय रहते सुनवाई नहीं होती है? एक तरह से वह भी केंद्र सरकार के दबाव पर काम करते हुए नजर आ रहे हैं। इस बात के आरोप अब न्यायपालिका पर भी लगने लगे हैं, जिसके कारण लोकतंत्र और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर राजनीतिक दलों के साथ-साथ अब जनता का विश्वास भी खत्म होता हुआ दिख रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति पिछले कई वर्षों से विवादों में है। यह मामला भी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। इस पर भी इतने लंबे समय तक सुनवाई न होना न्यायपालिका पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। पश्चिम बंगाल का ताजा घटनाक्रम इसी सवाल को और भी गंभीर बनाता है। विधानसभा चुनाव के दौरान टीएमसी और भाजपा के बीच में तरह-तरह के आरोप प्रत्यारोप लगाए गए थे। टीएमसी को खत्म करने की धमकी एक राजनैतिक दल द्वारा दी गई थी। वह धमकी अब पूरी होती हुई नजर आ रही है। विधानसभा चुनाव के 1 महीने के अंदर 40 निर्वाचित विधायक और करीब 20 सांसद पार्टी छोड़कर एक ऐसी पार्टी में चले गए जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं था। केंद्र सरकार, पश्चिम बंगाल की विधानसभा और चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जो निर्णय लिए गए हैं वह इशारा कर रहे हैं, केंद्र सरकार के इशारे पर टीएमसी और ममता बनर्जी पार्टी को खत्म करने के लिए सुनयोजित साजिश हो रही है। भारत के बड़े-बड़े वकील कानून की बड़ी-बड़ी किताबें लेकर हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग के चक्कर लगा रहे हैं। जिस तरह से संवैधानिक संस्थाओं द्वारा समय-समय पर जो निर्णय लिए जा रहे हैं, वह सभी को आश्चर्यचकित कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के भीतर विवाद के बाद चुनाव आयोग ने मूल पार्टी का नाम और ह्यफूल-घासह्न चुनाव चिन्ह अंतरिम रूप से फ्रीज कर दिया है। मुख्यमंत्री द्वारा रिक्त सीट नंदीग्राम पर टीएमसी उम्मीदवार को जबरिया बैठा दिया गया। चुनाव आयोग ने दोनों गुटों को नए नाम और नए चिन्ह दे दिए हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में मतगणना में हुई गड़बड़ी को लेकर ममता बनर्जी ने शिकायत दर्ज कराई थी, उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह माना जा रहा है, नंदीग्राम में हुई गड़बड़ी का भेद न खुल जाए, इसलिए ममता बनर्जी की पार्टी का चुनाव चिन्ह ही सीज कर दिया गया है। ममता बनर्जी के गुट को ह्यममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेसह्न और फुटबॉल खिलाड़ी का चिन्ह मिला है। चुनाव आयोग का यह अंतिम फैसला नहीं है। सवाल अंतिम फैसले से भी बड़ा है। जिस पार्टी को उसके संस्थापक नेतृत्व ने बनाया, उसे एक ही झटके से खत्म कर दिया गया। जिस नाम और चिन्ह के साथ उसने कई चुनाव लड़े। 3 दशकों तक चुनाव लड़े। मतदाताओं ने वर्षों तक जिस चुनाव चिन्ह को पहचान दी। कुछ निर्वाचित प्रतिनिधियों के अलग हो जाने पर क्या उसकी राजनीतिक पहचान पर रोक लगाई जा सकती है? यह निर्णय इसी तरह का हुआ कि अब आप अपने पुराने नाम का इस्तेमाल नहीं करके नए नाम से अपनी पहचान बनाओ। क्या किसी का इस तरह से नाम बदला जा सकता है?

यही विवाद महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायकों और सांसदों के दल बदल के समय सामने आया था। मूल पार्टी ने दल बदल कानून के तहत सदस्यता खत्म करने का आवेदन दिया था। उस पर कोई फैसला नहीं हुआ। राजनीतिक दलों के विभाजन और निर्वाचित विधायकों-सांसदों के दूसरे दल में जाने के बाद यह प्रश्न लगातार उठता रहा है। पिछले एक दशक में जितने भी दल बदल हुए हैं, इसका फायदा भारत के एक ही राजनीतिक दल को मिला है, जो केंद्र की सत्ता में बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल सुप्रीम कोर्ट में जो दलील रख रहे हैं, उसके जरिये उन्होंने दल बदल कानून की हर परत को उजागर किया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नोटिस भी जारी किया है। अभी अंतिम फैसला सुप्रीम कोर्ट का नहीं आया है। यह कब तक आएगा यह भगवान ही जानते हैं। इस पूरे घटनाक्रम में लोकतंत्र एवं चुनाव आयोग का एक ऐसा चेहरा सामने आया है। चुनाव आयोग के इस निर्णय से राजनीतिक दल उसके सिंबल और उसके संगठन का अब कोई मतलब ही नहीं रह गया, ना ही निर्वाचित प्रतिनिधि की जनता के प्रति कोई जवाबदारी रह गई। भारत में जिस तरह के फैसले संवैधानिक संस्थाओं द्वारा लिये जा रहे है। उसमें 2 तरह के कानून, जिसकी लाठी उसकी भैंस की कहावत चरितार्थ हो रही है।

कश्मीर पर पाकिस्तान की दोहरी नीति बेनकाब चीन के साथ सीमा आयोग पर भारत का दो टूक जवाब

कांतिलाल मांडोत

भारतीय भूभाग पर फैसले का अधिकार किसी तीसरे देश को नही है। पाकिस्तान और चीन के बीच सीमा संबंधी सहयोग को लेकर भारत ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर अपना स्पष्ट रुख सामने रखा है। इस्लामाबाद में पाकिस्तान-चीन सीमा संयुक्त आयोग की पहली बैठक शुरू होने के बाद भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारतीय क्षेत्रों से संबंधित पाकिस्तान और चीन के बीच किसी भी प्रकार का सीमा सहयोग भारत के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत ने पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र पर अपने अवैध कब्जे को समाप्त करने की मांग भी दोहराई है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार 16 सितंबर 2026 को दोनों देशों ने सीमा संयुक्त आयोग को औपचारिक रूप से सक्रिय किया। पाकिस्तान ने इसे सीमा प्रबंधन, संयुक्त सीमा सर्वेक्षण, व्यापारिक आवाजाही और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। यानी पाकिस्तान इस तंत्र को चीन के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के साधन के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

भारत की आपत्ति का मूल कारण यही है कि पाकिस्तान और चीन के बीच प्रस्तावित सीमा सहयोग का संबंध उन क्षेत्रों से भी जुड़ता है जिन्हें भारत अपना संप्रभु भूभाग मानता है। भारत का कहना है कि किसी ऐसे क्षेत्र के संबंध में दो अन्य देश आपस में कोई व्यवस्था नहीं कर सकते जो भारत की संप्रभुता से संबंधित है। इसी आधार पर नई दिल्ली ने पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग को कानूनी आधार से रहित बताया है।

1963 का समझौता भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया

भारत की आपत्ति का एक महत्वपूर्ण आधार 2 मार्च 1963 को हुआ तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौता भी है। भारत सरकार लंबे समय से इसे अवैध और अमान्य मानती रही है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार भारत का कहना है कि इस समझौते के तहत पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र के शक्सगाम घाटी से संबंधित लगभग 5,180 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र चीन को सौंपने की व्यवस्था की थी। भारत ने स्पष्ट किया है कि उसने इस समझौते को कभी मान्यता नहीं दी।

भारत का आधिकारिक रुख यह भी है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्रशासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। विदेश मंत्रालय ने पहले भी कहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों तथा चीन से जुड़े ऐसे किसी भी कदम को भारत अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से जोड़कर देखता है।

यही वह बिंदु है जहां कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की मूल स्थिति अलग दिखाई देती है। भारत जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अपने संवैधानिक तथा संप्रभु क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि पाकिस्तान अपने आधिकारिक बयानों में जम्मू-कश्मीर को विवादित मुद्दा बताता रहा है। मई 2026 में चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में भी पाकिस्तान ने चीन को जम्मू-कश्मीर की स्थिति से अवगत कराया और चीन ने इसे ऐतिहासिक रूप से लंबित विवाद बताते हुए संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा संबंधित प्रस्तावों के अनुरूप शांतिपूर्ण समाधान की बात कही थी।

कश्मीर नीति में दावे अलग और व्यवहार अलग

कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान की नीति को समझने के लिए उसके बयानों और गतिविधियों को अलग-अलग देखना जरूरी है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जम्मू-कश्मीर को विवादित मुद्दे के रूप में प्रस्तुत करता है और इसके समाधान की मांग करता है। दूसरी ओर, वह चीन के साथ ऐसे सीमा और संपर्क संबंधी ढांचे को आगे बढ़ा रहा है जिनका संबंध भारत द्वारा अपने क्षेत्र के रूप में दावा किए जाने वाले इलाकों से भी जुड़ता है। यही स्थिति भारत की ओर से गंभीर आपत्ति का कारण बनती है।

पाकिस्तान की ओर से चीन के साथ सीमा आयोग को सीमा प्रबंधन और व्यापारिक संपर्क बढ़ाने के लिए उपयोगी बताया गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे दोनों देशों के बीच सहयोग का नया चरण बताया है। लेकिन भारत इसे अलग नजरिये से देखता है और मानता है कि भारतीय भूभाग से जुड़े किसी भी मामले में पाकिस्तान को चीन के साथ निर्णय लेने का अधिकार नहीं है।

गिलगित-बाल्टिस्तान का महत्व भी इसी संदर्भ में सामने आता है। यह क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से भारत, पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान के निकट स्थित है तथा चीन-पाकिस्तान आर्थिक संपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत के लिए इसका महत्व केवल क्षेत्रीय दावे तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तरी सीमाओं की सुरक्षा और मध्य एशिया से जुड़े व्यापक भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़ा है।

भारत का कहना है कि पाकिस्तान को भारतीय क्षेत्र पर अपने कब्जे को समाप्त करना चाहिए और ऐसे कदमों से बचना चाहिए जिनसे उस कब्जे को किसी अन्य देश के साथ सहयोग के माध्यम से वैधता मिलने का आभास पैदा हो। भारत ने पहले भी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे से संबंधित उन गतिविधियों पर आपत्ति जताई है जो उसके अनुसार भारतीय संप्रभु क्षेत्र से गुजरती हैं।

कश्मीर पर पाकिस्तान की नीति में इसलिए एक स्पष्ट विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर वह जम्मू-कश्मीर के भविष्य को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद और समाधान की बात करता है, दूसरी ओर पाकिस्तान-चीन सहयोग के ऐसे ढांचे को आगे बढ़ाता है जिनमें भारत द्वारा दावा किए गए क्षेत्रों से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं। भारत इसी आधार पर पाकिस्तान के रुख पर सवाल उठाता है और कहता है कि किसी तीसरे देश के साथ समझौते करके भारतीय भूभाग की स्थिति नहीं बदली जा सकती।

भारत का ताजा संदेश इसी लंबे समय से चले आ रहे रुख की पुनर्पुष्टि है। नई दिल्ली ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को लेकर उसकी संप्रभुता की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है और भारतीय क्षेत्रों से संबंधित पाकिस्तान-चीन सीमा सहयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि कश्मीर का प्रश्न केवल भारत-पाकिस्तान के बीच राजनीतिक मतभेद तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन की भूमिका के कारण इसका रणनीतिक और क्षेत्रीय आयाम भी लगातार महत्वपूर्ण बना हुआ है।

ऐसे में पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग की शुरूआत ने कश्मीर से जुड़े पुराने विवाद को एक बार फिर कूटनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। भारत ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संबंध में उसकी संप्रभुता पर किसी बाहरी व्यवस्था का कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता। वहीं पाकिस्तान और चीन अपने सहयोग को सीमा प्रबंधन और क्षेत्रीय संपर्क के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। आने वाले समय में इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के कूटनीतिक बयानों से यह तय होगा कि यह नया सीमा तंत्र केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित रहता है या कश्मीर से जुड़े व्यापक क्षेत्रीय मतभेदों को और चर्चा में लाता है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

ललित गर्ग

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है।

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो 'दीदी' कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी।

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न 'जोड़ा फूल' को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थाई रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का ह्यकाला दिनह्न बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं।

अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निदेर्शों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को

जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस 'गदि खेल' के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है।

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अत्यधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उपजी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-रोष ने मिलकर उनकी दलगत जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मयार्दा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तृणमूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वमान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए।

तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आयोग को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े परिश्रम और संघर्ष से सींचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है। यद्यपि उन्होंने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए शीर्ष अदालत का द्वार खटखटाया है, परंतु तत्काल रूप से इस स्थिति ने दल के कार्यकताओं में भारी असमंजस पैदा कर दिया है। सत्ता से बाहर होते ही ममता बनर्जी बहुआयामी कानूनी चुनौतियों से भी घिर गई हैं। चुनावी अभियानों के दौरान दिए गए बयानों को लेकर उनके खिलाफ विभिन्न स्थानों पर प्राथमिक दर्ज कराई गई हैं। जनसभाओं और रैलियों के संचालन में उच्च न्यायालय के दिशा-निदेर्शों के उल्लंघन तथा व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों में भी दंडात्मक कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं। ये तमाम कानूनी उलझनें न केवल उनकी प्रशासनिक छवि पर प्रश्न खड़े करती हैं, बल्कि उन्हें राजनीतिक पुनर्निर्माण के स्थान पर कानूनी बचाव की मुद्रा में ला खड़ा करती हैं।

ममता बनर्जी की वास्तविक पूंजी उनकी साख थी, जो एक साधारण, त्यागपूर्ण और आम जनता की रक्षक के रूप में बनी थी। जनाक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बावजूद विपरीत परिस्थितियों में पली-बढ़ी ममता बनर्जी ने आसानी से घुटने न टेकने का संकल्प दोहराया है। राजनीति से संन्यास लेने की बातों को खारिज करते हुए उन्होंने पुनः जन-सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने का मार्ग चुना है। वर्तमान परिस्थितियों में उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाना शुरू किया है। नंदीग्राम उपचुनाव में अपने प्रत्याशी का नाम वापस लेकर कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करना इसी रणनीति का भाग है। संक्षेप में कहा जाए तो ममता बनर्जी का वर्तमान समय उनके राजनीतिक जीवन की सबसे कसौटी पूर्ण परीक्षा का काल है। एक ओर दल में टूट, नाम व प्रतीक का स्थगन और मुकदमों का अंबार है, तो दूसरी ओर अपनी खोई साख को पुनः प्राप्त करने की विशाल चुनौती। इतिहास साक्षी है कि वे संकटों से उभरकर वापसी करने में माहिर रही हैं, किंतु इस बार चुनौती केवल राजनीतिक विरोधियों से नहीं, बल्कि अपनी ही बिखरी हुई विरासत को समेटने की है। अब यह देखना अत्यंत दिलचस्प होगा कि क्या वे अपने जनआंदोलन की पुरानी शैली के बल पर इस राजनीतिक चक्रव्यूह को भेद पाती हैं या नहीं।

युवा आयोग और अग्निवीर सेल से सुरक्षित होगा युवाओं का भविष्य : मुख्यमंत्री

युवाओं को राज्य में ही मिलेंगे रोजगार और शिक्षा के अवसर,पलायन रोकने पर सरकार का जोर

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को काशीपुर स्थित एक निजी होटल में आयोजित युवा विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए उनके विचार और सुझाव सुने तथा विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की। विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम में 17 विद्यालयों के 1400 से अधिक विद्यार्थियों प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की इस विकास यात्रा के युवा असली कर्णधार हैं युवाओं की सोच और मेहनत ही देवभूमि को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। राज्य सरकार युवाओं की प्रतिभा को नए अवसर देने और रास्ते को आसान बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा युवाओं के विचार सुनकर महसूस होता है कि देश का युवा बहुत जागरूक है, युवाओं को

हर विषय की गहरी समझ है। उन्होंने कहा हाल ही में सरकार ने युवाओं से ह्लमेरे सपनों के उत्तराखंडह्व को लेकर सुझाव मांगे थे। इन सुझावों के माध्यम से विद्यार्थियों ने राज्य के अलग-अलग विषयों को लेकर बहुत अच्छे सुझाव दिए। युवाओं के विचारों को पढ़कर उनका विश्वास और मजबूत हो गया है कि उत्तराखंड का भविष्य बेहद ही सुरक्षित और सक्षम हाथों में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड छोटा राज्य जरूर है, लेकिन यहां के युवाओं के सपने छोटे नहीं हैं। उन्होंने आज की पीढ़ी सपने देखने के साथ उन सपनों को पूरा करने का भी साहस रखती है। विकसित उत्तराखंड और विकसित भारत में युवाओं का योगदान सबसे महत्वपूर्ण होने वाला है। युवाओं में वो क्षमता है कि जो दुनिया के किसी भी बड़े मंच पर जाकर अपने प्रदेश और अपने देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आगे चलकर आपमें से कोई वैज्ञानिक शिक्षक, खिलाड़ी बनेगा, तो कई युवा अपना स्टार्टअप शुरू करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा सरकार युवाओं को बेहतर अवसर, संसाधन और प्लेट-फॉर्म दे सकती है, लेकिन उन अवसरों को सफलता में बदलना सिर्फ और सिर्फ युवाओं के अपने हाथों में है। मुख्यमंत्री ने सभी युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सभी युवा खूब मेहनत करें, खूब पढ़ाई करें और सबसे बढ़कर अपने आप पर विश्वास रखें।

कूड़ा घाटी में अवैध खनन पर प्रशासन का शिकंजा

विकासनगर। तहसील विकासनगर क्षेत्र में यमुना नदी से अवैध रूप से उपखनिज निकालने और उसका परिवहन करने के मामले में खनन विभाग ने कार्रवाई की है। जिलाधिकारी देहरादून एवं जिला खान अधिकारी के निर्देश पर सहायक खनिज पर्यवेक्षक शिवा नेगी के नेतृत्व में खनन विभाग और चयनित ठेकेदार डफइट कंपनी की टीम ने 2 नंबर पुल के समीप कूड़ा घाटी स्थित यमुना नदी क्षेत्र में छापेमारी की।

अभियान के दौरान टीम ने यमुना नदी क्षेत्र से उपखनिज का अवैध खनन एवं परिवहन करते हुए तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़ा। कार्रवाई के बाद दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को कोतवाली विकासनगर में सीज कर खड़ा कराया गया। वहीं, तीसरा वाहन खराब होने के कारण मौके से नहीं हटाया जा सका, जिस पर विभाग ने मौके पर ही ई-चालान की कार्रवाई की।

खनन विभाग ने तीनों वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए कुल 66,400 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया है। विभाग की कार्रवाई से अवैध खनन और उपखनिज परिवहन में लगे लोगों में हड़कंप की स्थिति है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार नदी क्षेत्रों में अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दस सूत्रीय मांगों को लेकर 22 सितंबर को विकास भवन घेराव

देहरादून। ग्राम प्रधानों की दस सूत्रीय मांगों का अब तक समाधान नहीं होने से नाराज प्रदेश प्रधान संगठन उत्तराखंड ने 22 सितंबर को विकास भवन घेराव का ऐलान किया है। इसी क्रम में जिला प्रधान संगठन देहरादून की ओर से जिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित कर प्रस्तावित आंदोलन की जानकारी दी गई।

संगठन का कहना है कि ग्राम प्रधान पिछले कई महीनों से अपनी मांगों को लेकर सरकार के समक्ष लगातार आवाज उठा रहे हैं, लेकिन अब तक मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इससे प्रदेशभर के ग्राम प्रधानों में नाराजगी बनी हुई है। संगठन ने चेतावनी दी है कि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

मानदेय बढ़ाने समेत कई प्रमुख मांगें

ज्ञापन में ग्राम प्रधानों का न्यूनतम मानदेय 20 हजार रुपये प्रतिमाह करने, ग्राम पंचायत वार्ड सदस्यों को खुली बैठकों में प्रतिभाग करने पर मानदेय देने तथा मनरेगा में श्रमिकों की उपस्थिति ऑफलाइन दर्ज करने की मांग की गई है। इसके साथ ही अकुशल एवं कुशल श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने की मांग भी उठाई गई। संगठन ने ग्राम पंचायतों को राज्य एवं केंद्रीय वित्त से मिलने वाली धनराशि जनसंख्या और भौगोलिक क्षेत्रफल के आधार पर बढ़ाने, जिला योजना के कार्यों में ग्राम पंचायतों की भूमिका सुनिश्चित करने तथा पंचायतीराज अधिनियम में स्वीकृत 29 विभागों को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करने की मांग की है।

चौथे दिन भी श्रीनगर रूट पर बसों का संचालन प्रभावित

ऋषिकेश। बस संचालन को लेकर ट्रांसपोर्टरों के बीच चल रहे विवाद के चौथे दिन भी ऋषिकेश से श्रीनगर-कर्णप्रयाग रूट की बस सेवाएं प्रभावित रहीं। एकल मार्ग संयुक्त रोटेशन की गिनी-चुनी बसें ही श्रीनगर के लिए रवाना हुईं। अधिकांश बसों में श्रीनगर तक की ही सवारियां बैठाई गईं, जबकि कई यात्री रुद्रप्रयाग और सोनप्रयाग जाने वाले थे। विवाद की आशंका को देखते हुए चालक-परिचालकों ने श्रीनगर से आगे की सवारियां बैठाने से परहेज किया।

विरोध का असर टीजीएमओयू और यातायात कंपनी की विश्वनाथ सेवा पर भी पड़ा। श्रीनगर के आसपास के अन्य रूटों पर भी बस सेवाएं प्रभावित रहीं। इससे पर्वतीय क्षेत्रों की यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के बनाए उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति को सकारात्मक होकर, अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना होगा, सरकार पूरी तरह उनके साथ है। शनिवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में मातृशक्ति संवाद एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री ने महिलाओं से सीधा संवाद किया, जिसमें महिलाओं ने विभिन्न सरकारी योजनाओं पर अपने विचार रखे साथ ही सुझाव दिए। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महिलाओं में कौशल और उद्यमिता विकास से लेकर उनके बनाए उत्पादों का वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इसके लिए मुख्यमंत्री उद्यमशाला जैसी योजना लागू की गई है। महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए आसान लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। महिला स्वयं सहायता समूहों को बड़े कारोबारी समूहों के रूप में विकसित करने के सुझाव पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, सरकार इसके लिए मुख्यमंत्री सशक्त बहना योजना, संचालित कर रही है।

साथ ही उत्तराखंड की महिलाओं के तैयार विशिष्ट उत्पादों को हाउस ऑफ हिमालय ब्रांड के जरिए नई पहचान दी गई है। अब सरकार देहरादून के सहस्त्रधारा रोड पर एक बड़ा सेंटर विकसित कर रही है, जहां सभी 13 जिलों की महिलाओं के बनाए विशिष्ट उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से प्रदेश की महिलाएं सिलाई, बुनाई से लेकर कारखाना चलाने तक में सक्षम हो रही हैं। महिलाओं को सकारात्मक होकर, अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना होगा, सरकार पूरी तरह उनके साथ है। इस अवसर पर विधायक दलीप रावत, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अंथवाल, नेहा शर्मा, किरण भट्ट, डॉ. प्राची कंडवाल एवं मातृशक्ति उपस्थित थी।

एक नजर

तीन घंटे बंद रहा केदारनाथ पैदल मार्ग, यात्रियों को रोका

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम पैदल मार्ग पर चीरबासा के समीप क्षतिग्रस्त हिस्से के सुधारीकरण और चौड़ीकरण के कारण शनिवार को सुबह छह से नौ बजे तक पैदल आवाजाही बंद रही। कार्य पूरा होने के बाद सुबह नौ बजे के बाद सोनप्रयाग से गौरीकुंड और केदारनाथ धाम के लिए यात्रियों की पैदल यात्रा शुरू कराई गई। गौरीकुंड से करीब ढाई किलोमीटर ऊपर चीरबासा के पास पैदल मार्ग पिछले दिनों भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हुआ था। दिन के समय यात्रियों की लगातार आवाजाही के चलते मार्ग सुधारीकरण और चौड़ीकरण में दिक्कत आ रही थी। यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए मार्ग को चौड़ा और मजबूत करने के लिए सुबह के समय कार्य कराया गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि चीरबासा में मार्ग सुधारीकरण के लिए सुबह छह से नौ बजे तक यात्रियों की आवाजाही रोकी गई थी।

गंगा में जल्द शुरू होगा राफ्टिंग का रोमांच

ऋषिकेश/ढालवाला। गंगा में राफ्टिंग का रोमांच जल्द शुरू होने वाला है। राफ्टिंग संचालन की तैयारियों को लेकर उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद, साहसिक खेल विभाग और राफ्टिंग कारोबारियों की संयुक्त टीम ने रविवार को मरीन ड्राइव से निम बीच तक गंगा के जलस्तर, रैपिड्स और राफ्टिंग रूटों का निरीक्षण किया। रेकी के दौरान गंगा का जलस्तर राफ्टिंग के अनुकूल पाया गया। विभाग की ओर से जल्द ही राफ्टिंग शुरू करने की आधिकारिक तिथि घोषित की जाएगी।

दोपहर करीब 12 बजे पर्यटन विभाग के विशेषज्ञों की टीम ने मरीन ड्राइव से निम बीच तक गंगा किनारे स्थित विभिन्न प्वाइंट्स और रैपिड्स की स्थिति का जायजा लिया। हर वर्ष राफ्टिंग सीजन शुरू करने से पहले साहसिक खेल विभाग की ओर से गंगा के जलस्तर और रैपिड्स की स्थिति की रेकी की जाती है। इसी रिपोर्ट के आधार पर राफ्टिंग संचालकों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं।

पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शुरुआती चरण में गंगा के जलस्तर के अनुसार ब्रह्मपुरी से ऋषिकेश तक करीब नौ किलोमीटर और शिवपुरी से ऋषिकेश तक करीब 16 किलोमीटर लंबे रूट पर राफ्टिंग की अनुमति दी जाती है। गंगा का जलस्तर कम होने के साथ ही मरीन ड्राइव और कौडियाला से ऋषिकेश तक के लंबे राफ्टिंग रूट भी चरणबद्ध तरीके से खोल दिए जाते हैं। मानसून के बाद साहसिक पर्यटन गतिविधियों को धीरे-धीरे शुरू किया जा रहा है। कुछ दिन पहले मोहन चट्टी क्षेत्र में बंजी जंपिंग भी शुरू हो चुकी है।

बीमार महिला को पीठ पर लादकर उफनता गदेरा पार कराया

सहसपुर। सहसपुर विधानसभा क्षेत्र के बटोली गांव से सामने आई एक तस्वीर ने ग्रामीण क्षेत्रों में बरसात के दौरान बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षित आवागमन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि गदेरा उफनने के बाद एक बीमार महिला को ग्रामीणों ने पीठ पर लादकर तेज बहाव के बीच रास्ता पार कराया।

वीडियो में ग्रामीण एक बीमार महिला को पीठ पर उठाकर पानी के तेज बहाव के बीच गदेरा पार करते दिखाई दे रहे हैं। बारिश के दौरान बढ़े जलस्तर के बीच इस तरह नदी अथवा गदेरा पार करना बेहद जोखिम भरा साबित हो सकता है।

आपात स्थिति में बढ़ जाती है परेशानी

ग्रामीणों के अनुसार, बरसात के मौसम में गदेरा उफनने के कारण गांव के लोगों की आवाजाही प्रभावित होती है। सबसे अधिक परेशानी उस समय सामने आती है जब किसी ग्रामीण की तबीयत खराब हो जाए या किसी मरीज को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की

जरूरत पड़े। ऐसे समय में सुरक्षित रास्ते की कमी ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन जाती है।

स्थायी समाधान की मांग

बटोली की इस तस्वीर ने गांव में स्थायी और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था की जरूरत को फिर सामने ला दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में गदेरा पार करने की समस्या कोई नई नहीं है और इसका स्थायी समाधान किया जाना जरूरी है।

स्थानीय लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधि मौके का निरीक्षण कर गदेरा पार करने के लिए सुरक्षित रास्ते, पुलिया या अन्य स्थायी व्यवस्था की दिशा में ठोस कदम उठाएं, ताकि भविष्य में मरीजों, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को जान जोखिम में डालकर रास्ता पार न करना पड़े।

तस्वीर ने खड़े किए कई सवाल

विकास और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर संपर्क मार्ग उपलब्ध कराने के दावों के बीच बटोली से सामने आया यह वीडियो कई सवाल खड़े करता है। आखिर बरसात के दौरान ग्रामीणों को ऐसी स्थिति का सामना क्यों करना पड़ रहा है? आपात स्थिति में मरीजों को सुरक्षित अस्पताल तक पहुंचाने के लिए क्या व्यवस्था है? और इस समस्या का स्थायी समाधान कब होगा?

एआई पर हुई जिला स्तरीय कार्यशाला

जौलीग्रांट। द होराइजन स्कूल जौलीग्रांट में सीबीएसई ने कक्षा तीन से आठ तक के शिक्षकों के लिए कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (सीटी एंड एआई) विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। मुख्य अतिथि जीआरडी एकेडमी के प्रधानाचार्य परमप्रीत सिंह ग्रेवाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि एआई मानव व्यवहार और गणनाओं का अनुकरण करने वाली कंप्यूटर प्रणाली है। इसका उपयोग स्वास्थ, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि आदि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है लेकिन इसका दुरुपयोग सुरक्षा खतरों और डीपफेक के रूप में भी हो रहा है। कार्यशाला में केस पेपर प्रस्तुतीकरण के मूल्यांकन के लिए गठित त्रिस्तरीय समीक्षा समिति में प्रधानाचार्य, धर्मा इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल डॉ स्वाति आनंद, प्रोफेसर, देवभूमि उत्तराखंड विवि डॉ. नेहा चोक्सी, पीजीटी कंप्यूटर, डीएसबी इंटरनेशनल स्कूल विवेक पाठक ने किया।

904 ग्राम गांजे के साथ महिला गिरफ्तार

देहरादून। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नेहरू कॉलोनी पुलिस ने एक महिला को 904 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बरामद गांजा कब्जे में लेते हुए आरोपी महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार चेकिंग और कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 18 सितंबर को थाना नेहरू कॉलोनी पुलिस टीम अजबपुर फ्लाईओवर के नीचे चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने एक महिला को संदिग्ध अवस्था में रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान महिला के कब्जे से 904 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया।

किशाऊबांध के विरोध में संघर्ष समिति ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कालसी। प्रस्तावित किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना को लेकर क्वनू और आसपास के क्षेत्रों में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। किशाऊबांध संघर्ष समिति, क्वनू की ओर से तहसील कार्यालय कालसी में एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर प्रशासन के सामने ग्रामीणों की आपत्तियां और चिंताएं रखी गईं।

संघर्ष समिति ने कहा कि परियोजना को लेकर किसी भी निर्णय में प्रभावित ग्रामीणों की आवाज, उनकी जमीन, आजीविका, पुनर्वास और सामाजिक-सांस्कृतिक अधिकारों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। समिति ने स्पष्ट किया कि जनता से संवाद और प्रभावित परिवारों के अधिकारों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी।

15 सितंबर को छह राज्यों ने किया समझौता

किशाऊबहुउद्देशीय परियोजना को लेकर 15 सितंबर 2026 को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के

बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्र सरकार के अनुसार परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया गया है और इसकी करीब 90 प्रतिशत लागत केंद्र सरकार तथा शेष 10 प्रतिशत राशि सहभागी राज्यों द्वारा वहन की जाएगी।

सरकारी जानकारी के मुताबिक टोंस नदी पर 232.6 मीटर ऊंचा बांध प्रस्तावित है। परियोजना में करीब 1,562 मिलियन क्यूबिक मीटर जल भंडारण की क्षमता बताई गई है। सरकार के अनुसार इससे 97 हजार हेक्टेयर भूमि की सिंचाई और 1,476 मिलियन यूनिट जलविद्युत उत्पादन का लक्ष्य है।

हरिद्वार में पशुपालकों के द्वार पहुंचेगी मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट

देहरादून , पशुपालन विभाग, उत्तराखंड के निदेशालय सभागार देहरादून में पशुधन की उन्नत नस्ल सुधार एवं भ्रूण प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य आधुनिक प्रजनन तकनीकों के माध्यम से प्रदेश में पशुधन की उत्पादकता एवं गुणवत्तापूर्ण नस्ल सुधार को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम का आयोजन अपर निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. राकेश सिंह नेगी के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कैलाश उनियाल ने किया। इस दौरान भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीक पर डॉ. अजय असवाल द्वारा विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

सांसद निधि से मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट का लोकार्पण

कार्यक्रम के दौरान हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा सांसद निधि

से उपलब्ध कराई गई मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट का लोकार्पण किया गया।

विभाग के अनुसार इस मोबाइल यूनिट के माध्यम से हरिद्वार जनपद के पशुपालकों के द्वार पर ही भ्रूण प्रत्यारोपण सहित आवश्यक पशु चिकित्सा एवं प्रजनन संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इससे पशुपालकों को आधुनिक पशु चिकित्सा सुविधाएं उनके क्षेत्र में ही मिल सकेंगी।

कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख श्री खेम सिंह पाल, वर्तमान मंडल अध्यक्ष श्रीमती सरिता सिंगल, श्री राजवीर कंबोज, केदारपुर के पार्षद श्री दर्शन लाल बिजोला, श्री आशीष सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में निदेशालय एवं जनपद देहरादून के पशु चिकित्सा अधिकारी तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

पशुधन नस्ल सुधार और आय बढ़ाने पर जोर

विभाग के मुताबिक मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट के माध्यम से आधुनिक पशु चिकित्सा एवं प्रजनन सेवाओं को पशुपालकों के द्वार तक पहुंचाने से पशुधन की नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

सीएम युवा विद्यार्थी मंथन में हैप्पी होम स्कूल की छात्रा अग्रवाल ने साझा किये सुझाव

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रीं अग्रवाल को प्रशस्ति-पत्र एवं स्कूल बैग प्रदान कर किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखण्ड के भावी स्वरूप को लेकर युवाओं की कल्पनाशीलता, चिंतन और सृजनात्मक दृष्टि को मंच प्रदान करने वाली राज्यव्यापी पहल 'मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन' कार्यक्रम में हैप्पी होम स्कूल, कोटद्वार की छात्रा श्रीं अग्रवाल ने प्रतिभाग कर अपने सुझाव साझा किये। कार्यक्रम के दौरान श्रीं अग्रवाल को मुख्यमंत्री की ओर से उनकी उपलब्धि के सम्मानस्वरूप प्रशस्ति-पत्र एवं स्कूल बैग प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर उन्हें मुख्यमंत्री के साथ संवाद करने का भी विशेष अवसर प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने अपने विचार एवं जिज्ञासाएं साझा कीं। मुख्यमंत्री के साथ प्रत्यक्ष संवाद और सम्मान प्राप्त करने का यह अनुभव छात्रा के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं अविस्मरणीय रहा। यह अवसर न केवल उसकी प्रतिभा और उपलब्धि का सम्मान है, बल्कि उसे भविष्य में निरंतर सीखने, आगे बढ़ने और समाज एवं प्रदेश के विकास में अपनी सार्थक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने वाला महत्वपूर्ण अनुभव भी है। बता दें कि उत्तराखण्ड के भावी स्वरूप को लेकर युवाओं की कल्पनाशीलता, चिंतन और सृजनात्मक दृष्टि को मंच प्रदान करने वाली राज्यव्यापी पहल 'मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन' में हैप्पी होम स्कूल, कोटद्वार की छात्रा श्रीं अग्रवाल का चयन हुआ था। यह सफलता न केवल छात्रा की प्रतिभा, परिश्रम और विचारशीलता का प्रमाण है, बल्कि विद्यालय की उस सुदृढ़ शैक्षिक परंपरा को भी रेखांकित करती है, जिसमें विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ समाज, प्रदेश और राष्ट्र के भविष्य के प्रति संवेदनशील एवं उत्तरदायी बनाने पर विशेष बल दिया जाता है। श्रीं अग्रवाल की इस उपलब्धि पर विद्यालय की डायरेक्टर उषा सिंह एवं प्रधानाचार्या शालिनी सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्या ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के साथ-साथ उनके विचारों को सकारात्मक एवं रचनात्मक दिशा प्रदान करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियां न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं, बल्कि अन्य विद्यार्थियों को भी निरंतर आगे बढ़ने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती हैं। विद्यालय के शिक्षकों ने भी श्रीं अग्रवाल की इस उपलब्धि को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी बताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। श्रीं अग्रवाल की यह उपलब्धि हैप्पी होम स्कूल,कोटद्वार के लिए केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि उस विश्वास की विजय है कि शिक्षा जब प्रतिभा, चिंतन और सामाजिक सरोकारों से जुड़ती है, तो विद्यार्थी भविष्य के निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका निभाने के लिए तैयार होते हैं। विद्यालय का मानना है कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मक चिंतन, संवाद-कौशल एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

छात्रा ने पर्यटन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था' विषय पर प्रस्तुत किये विचार

हैप्पी होम स्कूल, कोटद्वार लंबे समय से विद्यार्थियों में ज्ञान, अनुशासन, सृजनात्मकता और आत्मविश्वास के विकास को शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग मानता रहा है। विद्यालय में विद्यार्थियों को केवल परीक्षा की तैयारी तक सीमित न रखते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा को विभिन्न मंचों पर अभिव्यक्त करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है। मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन में छात्रा का चयन इसी शैक्षिक दृष्टिकोण की एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में देखा जा सकता है। 'मेरे सपनों का उत्तराखण्ड : एक विकसित राज्य हेतु मेरा दृष्टिकोण' विषय पर आधारित इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों को उत्तराखण्ड के भविष्य के संबंध में अपने विचार, आकांक्षाएं, रचनात्मक सुझाव और नवाचारी दृष्टिकोण व्यक्त करने का अवसर देना है। श्रीं अग्रवाल ने 'पर्यटन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था' विषय पर निबंध के माध्यम से उत्तराखण्ड में पर्यटन की संभावनाओं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने पर्यटन को प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा स्थानीय लोगों की आजीविका के लिए महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में रेखांकित किया।

एक नजर

होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला कंपनी का सुपरवाइजर

नई टिहरी। जिला मुख्यालय में स्थित एक होटल में बीएसएनएल में कार्यरत कंपनी के सुपरवाइजर की पंखे के हुक से लटक कर संदिग्ध मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे की तलाशी ली लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस प्रथमदृष्ट्या इस घटना को आत्महत्या मान रही है।सीओ चंद्रमोहन सिंह ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सूचना मिली कि होटल के कमरे में रह रहा युवक का दरवाजा सुबह से बंद है। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दरवाजा खोलकर कमरे में गई तो वह बेडसीट के सहारे पंखे के हुक से लटका हुआ था। पुलिस ने उसे नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।पुलिस ने बताया कि मृतक सुनील कुमार (32) पुत्र श्याम लाल निवासी मथोला जिला उधमपुर जम्मू–कश्मीर यहां बीएसएनएम में केबल का कार्य कर रही कंपनी में सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत था। वह होटल में दो साल से अकेला रह रहा था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा है। मृतक का मोबाइल कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

नई टिहरी में शुरू हुई सिटी बस सेवा, प्रतिदिन होगा बस का संचालन

नई टिहरी। लंबे इंतजार के बाद शनिवार को नगर पालिका नई टिहरी की सिटी सेवा का विधिवत शुभारंभ हो गया। विधायक किशोर उपाध्याय, दायित्वधारी खेम सिंह चौहान, कथा वाचक डॉ. दुर्गेश आचार्य महाराज और पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने हरी झंडी दिखाकर सिटी बस को रवाना किया।

सिटी बस का संचालन प्रतिदिन गणेश चौक से कलेक्ट्रेट, बादशाहीथौल, चंबा होते हुए कोटीकॉलोनी तक किया जाएगा। पालिकाध्यक्ष की मांग पर विधायक किशोर उपाध्याय ने जिला मुख्यालय की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए विधायक निधि से नगर पालिका को जल्द ही एक इलेक्ट्रिक सिटी बस देने की घोषणा की। नई टिहरी में जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर का मेडिकल कॉलेज भी जल्द बनाया जाएगा।

खो–खो में तिनवाल गांव और कबड्डी में सिलवाल गांव जीते

लंबगांव (टिहरी)। ब्लॉक मुख्यालय प्रतापनगर में युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग की ओर से आयोजित खेल महाकुंभ के तीसरे दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं की गई।

इससे पहले मुख्य अतिथि कनिष्ठ प्रमुख विशन सिंह रंगड और जिला युवा कल्याण अधिकारी रविंद्र सिंह ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। अंडर–19 वर्ग की 100 मीटर दौड़ में अखिलेश कुशवाहा प्रथम, शेखर द्वितीय और राजपाल तृतीय रहे। 400 मीटर में शिवांक राणा ने पहला, विवेक नेगी ने दूसरा और आशीष सिंह ने तीसरा स्थान हासिल किया।

800 मीटर दौड़ में धीरज प्रथम, आयुष द्वितीय और दीपक तृतीय रहे। 3000 मीटर दौड़ में आयुष प्रथम, विक्रम लाल द्वितीय और अर्जुन सिंह तृतीय रहे। खो–खो में न्याय पंचायत तिनवालगांव प्रथम, पनियाला द्वितीय और गरवाणगांव तृतीय रहा। कबड्डी में न्याय पंचायत सिलवालगांव ने पहला, बरवाल गांव ने दूसरा और ओनालगांव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

ऊंची कूद में अक्षय जोशी प्रथम, साहिल नाथ द्वितीय और अंशुल तृतीय रहे। गोला फेंक में सोबन सिंह प्रथम, अखिल द्वितीय और लक्की तृतीय रहे। लंबी कूद में अक्षय नेगी प्रथम, अनुज राणा द्वितीय और आकाश तृतीय रहे।

विधायक चैंपियन ट्रॉफी खेल महाकुंभ शुरू

थत्यूड़ (टिहरी)। विधानसभा धनोल्टी क्षेत्र में विधायक चैंपियन ट्रॉफी खेल महाकुंभ शुरू हो गया। राजकीय इंटर कॉलेज थत्यूड़ के मैदान में विधायक प्रीतम सिंह पंवार, ब्लॉक प्रमुख सीता पंवार ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। विधायक पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिवर्ष विधानसभा स्तर पर खेल महाकुंभ आयोजित कर रही है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलता है। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी चतरलाल शाह ने बताया कि खेल महाकुंभ में 13 न्याय पंचायतों के खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। अंडर–14 बालक वर्ग की 600 मीटर दौड़ में न्याय पंचायत भरवाकाटल के आयुष प्रथम, खेड़ा के शिवम द्वितीय और स्यालसी के योगेश तृतीय रहे। बालिका वर्ग में स्यालसी की कनिष्का प्रथम, खेड़ा की मोनिका द्वितीय और मखडेत की सोनाक्षी तृतीय रहीं।

नकदी फसल नहीं पहुंच पा रही सड़क तक

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के सकलाना पट्टी में श्रीपुर–ल्वारखा–धौलागिरी मोटर मार्ग शासनादेश जारी होने के 10 साल बाद भी नहीं बन पाया है जिससे ग्रामीणों को पैदल दूरी नापने से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें अपनी नकदी फसल सड़क तक पहुंचाने में सबसे अधिक समस्या उठानी पड़ती है। जौनपुर के ज्येष्ठ प्रमुख जयकृष्ण उनियाल ने बताया कि श्रीपुर–ल्वारखा–धौलागिरी सड़क की मांग वर्षों से की जा रही है। वर्ष 2015–16 में सड़क का शासनादेश भी जारी किया गया था। बावजूद अभी तक लोनिवि 4.5 किमी सड़क नहीं बना पाया है जिससे ग्रामीणों को साढ़े तीन किमी पैदल दूरी नापनी पड़ रही है।

साईबर ठगी का आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोतवाली पुलिस ने साईबर ठगी के 01 ईनामी अभियुक्त को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। अभियुक्त ने महिला से 1,34,999 रुपये की ठगी की थी। थाना कोटद्वार द्वारा इस वर्ष अब तक नौ इनामी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कोतवाली कोटद्वार पर निम्बूचौड निवासी एक महिला द्वारा तहरीर दी गयी थी कि उसके रिखणीखाल स्थित बैंक खाते से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा 1,34,999 रुपये की ठगी कर ली गयी है। वादनी की तहरीर के आधार पर कोतवाली पर धारा-318(4) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया था। अभियुक्त को धारा 35(3) बीएनएसएस के माध्यम से बयान देने हेतु बुलाया गया था, किंतु अभियुक्त उपस्थित नहीं हुआ। अभियुक्त के उपस्थित ना होने पर अभियुक्त का गैर जमानती वारण्ट व कुर्की की उद्घोषणा जारी करवायी गयी थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु अभियुक्त पर दो हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया था। अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस की एक टीम को पश्चिम बंगाल भेजा गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि अभियुक्त अब्दुल रज्जाक उर्फ छोटू पुत्र अब्दुल कादिर निवासी जे-02, अजहर मौहल्ला, बागान लेन, गार्डेन रीज, फतेहपुर विलेज रोड, कोलकत्ता पश्चिम बंगाल हाल निवासी ई-2-98, काली माता मन्दिर, लेन रामदासहाती, मकालहाती मौजा, महेशतल्ला, थाना रविन्द्रनगर, कोलकत्ता, पश्चिम बंगाल को माजेरहाट नियर मेंडो रेलवे स्टेशन कोलकत्ता, पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट साउथ 24 परगना अलीपुरे, पश्चिश्चम बंगाल में पेश किया गया। मा0 न्यायालय से 05 दिन का ट्रांजिट रिमाण्ड प्राप्त किया गया था। अभियुक्त को शनिवार को मा0 न्यायालय कोटद्वार में पेश किया गया। मा0 न्यायालय द्वारा अभियुक्त को 14 दिवस के रिमाण्ड पर न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया है। पुलिस टीम में चौकी प्रभारी कलालघाटी राजाराम डोभाल, हेड कांस्टेबल उत्तम सिंह शामिल थे।

यमुनोत्री धाम में अब भी लगे हैं कूड़े के ढेर

बड़कोट। यमुनोत्री धाम में जिलाधिकारी के आदेश भी कूड़े के ढेर हटाने में जिम्मेदार विभागों को नहीं हिला पाए। यमुना नदी तट पर सफाई अभियान के दौरान एकत्र किए गए कूड़े के कट्टे अब भी पड़े हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने हालिया स्थलीय निरीक्षण के दौरान संबंधित जिला पंचायत और सुलभ इंटरनेशनल को कूड़ा हटाने के निर्देश दिए थे लेकिन इसके बावजूद कूड़े का निस्तारण नहीं हो पाया है। इससे प्रशासन के आदेशों के अनुपालन पर सवाल उठ रहे हैं। यमुना नदी की स्वच्छता को लेकर खबर प्रकाशित होने के बाद कई बार सफाई अभियान चलाए गए। अभियान के दौरान नदी से निकाला गया कूड़ा नदी तट पर कट्टों में एकत्र कर दिया गया। बरसात से पहले लगाए गए ये कट्टे अब तक नहीं हटाए गए हैं। पुल के पास यमुना मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते और नदी किनारे कूड़े के ढेर श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रहे हैं। कूड़े के ढेर से जहां धाम की सुंदरता प्रभावित हो रही है, वहीं यमुना नदी की स्वच्छता और पवित्रता को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। नदी तट पर स्नान और पूजा–अर्चना के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को भी असुविधा हो रही है।

त्योहारी सीजन में अधिक से अधिक जनसुविधा और जनसेवा के कार्य किए जाएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर-खण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं के अंतर्गत 10,709 पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में एक क्लिक के माध्यम से 18 करोड़ 49 लाख रूपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण श्रमिक राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि श्रमिकों और उनके परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र श्रमिक परिवार तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच के दौरान जिन लोगों में किसी बीमारी की पहचान हुई है, स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर उनके समुचित उपचार की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि अपनी विभागीय योजनाओं के माध्यम से अधिक से अधिक जनसुविधा और जनसेवा के कार्य किए जाएं। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, परिवारों के पोषण, महिलाओं के स्वास्थ्य तथा कार्यस्थल पर स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता के साथ पात्रता सत्यापन और जनपदवार कवरेज की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले पात्र श्रमिक भी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि वर्तमान डीबीटी के अंतर्गत प्रसूति एवं प्रसविधा हेतु सहायता के 95, मृत्युपरांत सहायता के 177, विवाहोपरांत (पुत्री विवाह) सहायता के 2,354 तथा शिक्षा सहायता के 8,083 लाभार्थी शामिल हैं। इस प्रकार कुल 10,709 लाभार्थियों को सहायता राशि हस्तांतरित की गई। बैठक में उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिक परिवारों के लिए संचालित समेकित कल्याण मॉडल की प्रगति की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि अब तक 33,429 शिक्षण सामग्री किट, 26,674 स्वच्छता सामग्री किट और 23,216 पोषाहार किट वितरित की गई हैं।

इस प्रकार कुल 83,319 किट का वितरण किया जा चुका है। श्रमिक स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत 20,527 स्वास्थ्य स्क्रीनिंग और 2,32,281 स्वास्थ्य परीक्षण किए गए हैं। इस अवसर पर राज्य सलाहकार संविदा बोर्ड के अध्यक्ष कैलाश पंत, सतर्कता समिति की अध्यक्ष गीता रावत, उपाध्यक्ष मोहनी पोखरिया, उत्तर-खण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. श्रीधर बाबू अदांकी, सचिव प्रकाश चन्द्र दुम्का आदि मौजूद थे।

पागल कुत्ते ने 12 लोगों को काटा

पुरोला। मोरी बाजार क्षेत्र में शनिवार को एक पागल कुत्ते ने बाजार और आसपास के क्षेत्रों में करीब 12 लोगों को काटा। घायलों में स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। एक साथ कई लोगों के कुत्ते के हमले का शिकार होने से बाजार क्षेत्र में दहशत का माहौल है। अभिभावक बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

व्यापार मंडल अध्यक्ष ममतेश नेगी ने बताया कि कुत्ते ने अचानक बाजार में लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया। इससे व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भय बना हुआ है। उन्होंने प्रशासन और संबंधित विभाग से कुत्ते को तत्काल पकड़ने के साथ ही बाजार क्षेत्र में आवारा कुत्तों की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोरी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. नीतेश रावत ने बताया कि कुत्ते के काटने से घायल 12 लोग अब तक अस्पताल पहुंच चुके हैं। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद एंटी–रेबीज वैक्सीन लगाई गई है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में फिलहाल एंटी–रेबीज वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

तीन छात्र राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी के लिए चयनित

पुरोला। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज हुडोली में जिला शिक्षा विभाग की ओर से जनपदीय विज्ञान संगोष्ठी आयोजित की गई। 2047 के भारत की ऊर्जा आवश्यकता विषय पर आयोजित संगोष्ठी में जिले के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे 12 बाल वैज्ञानिकों ने ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को लेकर अपने शोधपत्र व विचार प्रस्तुत किए।

संगोष्ठी का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शैलेंद्र अमोली ने किया। संगोष्ठी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राइंका धौंतरी के ईशांत, एमडीएस उत्तरकाशी के सक्षम थपलियाल और राइका गड़ोली की मनीषा का चयन राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी के लिए किया गया।

जालंग में जर्जर स्कूल भवन में बच्चों की पढ़ाई

उत्तरकाशी। डुंडा ब्लॉक के जालंग गांव में प्राथमिक विद्यालय की बदहाली ने शिक्षा व्यवस्था के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चार दशक से अधिक पुराने विद्यालय भवन की छत की टिन उखड़ रही है।

दीवारों में दरारें हैं और बारिश में पानी कक्षों तक पहुंच रहा है। इसके बावजूद विद्यालय की मरम्मत को लेकर अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।

ग्राम प्रधान गीता राणा के अनुसार विद्यालय में 35 छात्र–छात्राएं पढ़ रहे हैं। भवन की हालत का असर सीधे बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। जर्जर किचन में बारिश का पानी आने के कारण मध्यान्ह भोजन कक्षा कक्ष में तैयार करना पड़ रहा है। ऐसे में जिन कमरों में बच्चों की पढ़ाई होनी चाहिए। उनका इस्तेमाल भोजन बनाने के लिए भी करना पड़ रहा है।

प्रधान का कहना है कि विद्यालय भवन की स्थिति और मरम्मत की जरूरत के संबंध में कई बार शिक्षा विभाग व प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

सवाल यह है कि यदि विभाग को लंबे समय से भवन की स्थिति की जानकारी थी तो समय रहते मरम्मत या वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई।

धामी सरकार की होम स्टे नीति ने पर्यटन को दी नई रफ्तार

रिवर्स पलायन को मिला बढ़ावा, युवाओं और महिलाओं ने अपनाया होम स्टे व्यवसाय

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार की होम स्टे नीति पहाड़ के गांवों में पर्यटन को नई रफ्तार देने के साथ ही रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित हुई है। आज बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं ने होम स्टे व्यवसाय को अपनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। रिवर्स पलायन की बात करें तो करीब साढ़े छह हजार प्रवासी अपने गांव लौटे हैं। इनमें 22 फीसदी से अधिक प्रवासियों ने होम स्टे व्यवसाय को अपनाया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन को गांव-गांव तक पहुंचाने पर विशेष जोर दे रही है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में होम स्टे को बढ़ावा दिया जा रहा है। एक अनुमान के मुताबिक प्रदेश भर में अब तक लगभग पांच हजार से अधिक होम स्टे संचालित हो रहे हैं। इस दिशा में दीनदयाल उपाध्याय होम स्टे विकास योजना कारगर सिद्ध हुई है। योजना के तहत चार वर्षों में 537 लाभार्थियों को 79 करोड़ 28 लाख 18 हजार की धनराशि होम स्टे निर्माण के लिए अनुदान के रूप में दी जा चुकी है। योजना के तहत पर्वतीय क्षेत्र में परियोजना लागत की 50 फीसदी (अधिकतम 15 लाख) और मैदानी क्षेत्रों में लागत की 25 प्रतिशत सब्सिडी (अधिकतम 7.50 लाख) दी जा रही है। योजना को लेकर युवाओं और महिलाओं में खासा उत्साह है। धामी सरकार की यह योजना गांवों के पर्यटन विकास का बड़ा आधार बनी है। रुद्रप्रयाग जिले का सारी गांव इसका बड़ा उदाहरण है। यहां 40 से अधिक होम स्टे संचालित हो रहे हैं और बड़ी संख्या में ट्रेकर्स और पर्यटक पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारे गांव खुशहाल होंगे तो प्रदेश और देश भी खुशहाल होंगे। इस ध्येय वाक्य के साथ हम पर्यटन को गांव-गांव तक पहुंचाना चाहते हैं। इस दिशा में होम स्टे योजना कारगर सिद्ध हुई हैं। बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के होम स्टे व्यवसाय अपनाने से जहां युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं, वहीं हमारे गांव देश विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

पर्यटकों से गुलजार होगा जादुंग गांव

उत्तरकाशी जिले में भारत-चीन सीमा पर स्थित जादुंग गांव अब पर्यटकों से गुलजार होगा। धामी सरकार ने इस गांव को होम स्टे क्लस्टर के रूप में विकसित करने का बीड़ा उठाया है। यहां छह होम स्टे का निर्माण अंतिम चरण में है। बता दें कि वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान सामरिक कारणों से सेना ने सीमांत नेलांग और जादुंग गांव को खाली करा दिया था। अब यह दोनों गांव केंद्र सरकार के वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अंतर्गत शामिल हैं।

ट्रेकिंग ट्रेक्शन सेंटर होम स्टे योजना में 258 लाभान्वित

मेरी योजना मेरी सरकार कार्यक्रम के तहत ट्रेकिंग ट्रेक्शन सेंटर होम स्टे अनुदान योजना लागू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यटन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ ही इसमें स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस योजना के तहत बीते चार वर्षों में 258 पात्र लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है। दीनदयाल उपाध्याय होमस्टे विकास योजना पूरे राज्य में लागू है, लेकिन नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्र को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। उत्तराखण्ड के मूल निवासी ही योजना का लाभ लेने के लिए पात्र हैं।

जीव-जंतुओं की दुनिया के सबसे अनोखे सदस्य

दोस्तों जीव-जंतुओं की दुनिया बड़ी ही निराली है। इस दुनिया के बारे में हम जितना भी जानते हैं उतनी ही हमारी और जानने की ख्वाहिश बढ़ती चली जाती है। हमारी दुनिया में कई छोटे-बड़े जीव ऐसे हैं जिनकी खासियतें बड़ी ही अनोखी और निराली हैं। आज ऐसे ही कुछ जीवों से हम आपको रूबरू करा रहे हैं। हम इन जीवों की खासियतें भी आपको बताएंगे। अगर आप उन लोगों में से एक हैं जिन्हें जीव-जंतुओं की दुनिया में घुसने में मजा आता है तो यकीन जानिए, ये आपके लिए ही है।

रोसी मेपल मोथ

ये उत्तरी अमेरिका में बहुतायत में पाया जाने वाला एक कीट है। आम बोलचाल में इसे रोसी मेपल मोथ कहा जाता है। वहीं वैज्ञानिक भाषा में इसे ड्रायोकैम्पा रुबीक्यूंडा कहा जाता है। ये रेशम का का कीट है। इसिलिए इसे फैब्रीसियस भी कहा जाता है। इस तस्वीर में दिखाई दे रहा ये कीट अपना एक पैर उठाए हुए है जिसे देखकर लग रहा है जैसे ये हैलो कर रहा है।

वॉम्बेट

अमेरिका में कई किसान इन्हें पालते भी हैं।

एग्जेंन्थिक ब्लू इगुआना

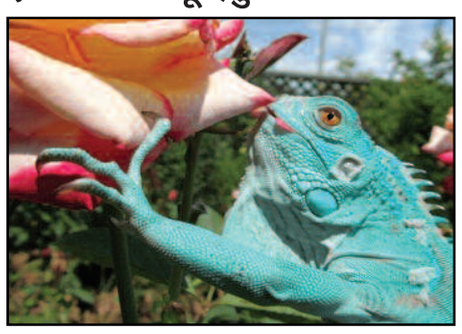

इगुआना एक प्रकार की छिपकली होती है। एग्जेन्थिक ब्लू इगुआना सभी प्रकार की इगुआना में सबसे खूबसूरत होती है। ये इतनी खूबसूरत होती है कि अमेरिका जैसे देशों में इसे लोग शौक से पालते भी हैं। अमेरिका में इसके पालने पर प्रतिबंध नहीं है और लोग इसे बाजार में बेच भी सकते हैं। गुलाब की खुशबू सूंघती इस इगुआना की तस्वीर काफी वायरल हुई थी।

ये बेहद अनोखा और बेहद प्यारा जीव इन दिनों बेहद खतरनाक हालात से जूझ रहा है। ये ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है। और जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों बेहद भीषण आग लगी है जिसमें 50 करोड़ से भी अधिक जीव जलकर खाक हो गए हैं। ये एक छोटा वॉम्बेट है। वॉम्बेट के पैर और पूंछ इनके शरीर की तुलना में काफी छोटी होती है। इनका शरीर 1 मीटर तक लंबा हो जाता है। ये पहाड़ी, मैदानी और जंगली इलाकों में पाए जाते हैं।

सम्राट तामरीन

ये मूंछों वाला बंदर तामरीन बंदरों की कई प्रजातियों में से एक है। इसे सम्राट तामरीन कहा जाता है। कहा जाता है कि जर्मन सल्तनत के सम्राट विल्हेम द्वितीय की मूंछे भी इसी तरह की हुआ करती थी। इसिलिए इस तामरीन बंदर को सम्राट तामरीन कहा जाता है। ये बंदर अमेजन के जंगलों में बहुतायत में पाए जाते हैं।

स्कॉटिश भेड़

स्कॉटलैंड में बहुतायत में भेड़ पालन करने वाले किसान वास करते हैं। स्कॉटलैंड में इंसानों से ज्यादा भेड़ें रहती हैं। यहां के 15000 भेड़ फार्म्स में 70 लाख के आस-पास भेड़ें रहती हैं। किसान इन भेड़ों को दूध, ऊन और मांस के लिए पालते हैं। पिछले दिनों एक शीप फार्म से इस भेड़ की ये अनोखी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।

रोशनी वाला पेड़

भारत में हिमालय के आसपास कुछ ऐसे पेड़-पौधे भी हैं, जो रात के घोर अंधकार में चमक उठते हैं। उन्हें देखकर ऐसा लगता है, जैसे लाइट जल उठी हो। ऐसा ही एक पौधा सोम औषधि है। पूर्णिमा की रात से अमावस्या तक इसके सारे पत्ते गिर जाते हैं और यह रात को चमकता है। कुछ पेड़ हैं, जिनके तनों से विशेष किस्म का द्रव्य बहता है, यह द्रव्य अंधेरा होने पर चमकता है। मशरूम की भी कुछ किस्में ऐसी होती हैं, जो रात को चमक देती हैं।

कहां जाएं ध्रुवीय भालू

इनसानी दखल का असर अब ध्रुवीय भालू की जिंदगी पर पड़ने लगा है। बर्फीले आर्कटिक क्षेत्र के निवासी ये भालू गरम होते क्षेत्र के कारण अपने रहने के स्थान खोने लगे हैं। बर्फ पिघलने से इन्हें खाने के लिए भी ठीक से नहीं मिल पा रहा है। उस पर बड़ी कंपनियां लगातार उनके इलाके में घुसपैठ कर रही हैं, जिस कारण इन भालुओं को लगातार अपने रहने का ठिकाना बदलना पड़ रहा है। ऐसे में खाने की कमी को ये दूसरे भालुओं को मारकर पूरी कर रहे हैं। बड़े भालुओं का शिकार आमतौर पर मादा भालू या बच्चे बन रहे हैं। ऐसी घटनाएं पहले कभी-कभार ही होती थीं। इससे ध्रुवीय भालू के लुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

मेहुल की सेल्फी

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया।

'मेहुल.ओ.मेहुल। कहां हो तुम?' मां मेहुल को काफी देर से ढूंढ़ रही थीं, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आ रहा था। जब मेहुल उन्हें अपने कमरे में भी नहीं दिखाई दिया तो वह सोच में पड़ गईं कि इतनी गर्मी में मेहुल बिना बताए कहां गया है। तभी उन्हें ख्याल आया कि एक बार छत पर जाकर भी देख लिया जाए। वैसे इस भरी दोपहर में उन्हें उसके छत पर होने की उम्मीद कम ही थी, लेकिन उनका मन नहीं माना। पर यह क्या! जैसे ही वह छत पर पहुंचीं तो देखा कि मेहुल छत पर खड़ा अपने नए मोबाइल से सेल्फी खींचने में व्यस्त है! वह सेल्फी में इतना खोया हुआ था कि उसे न तो मां की आवाज सुनाई दे रही थी और न ही उनके छत पर आने का पता था। मां ने उसके करीब जाकर उसकी पीठ पर थप्पड़ मारते हुए कहा, 'यह क्या कर रहे हो तुम इतनी धूप में?' तो वह चौंका। 'कुछ नहीं मां, बस यूं ही।' 'यूं ही क्या?' मां ने गुस्से से उसकी तरफ देखते हुए कहा। 'मां, अपने इस नए मोबाइल से कुछ सेल्फी ले रहा था, दोस्तों को दिखाने के लिए।' 'क्या मतलब, क्या तुम्हें यह मोबाइल इतनी धूप में सेल्फी खींचने के लिए मिला है?' मां ने उसे डांटते हुए कहा। 'चलो नीचे, मां उसका हाथ पकड़ कर ले जाने लगीं।' मेहुल अनमने मन से मां के साथ चलने लगा।

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया। मोबाइल पाकर मेहुल की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने सभी दोस्तों को मोबाइल दिखाया और दिन भर उनके साथ सेल्फी का मजा लिया। देर शाम को जब वह घर आया तो मां ने उसे टोका भी, 'यह क्या बात हुई कि तुम नए मोबाइल के साथ दिन भर गायब रहे। न खाने-पीने की चिंता, न गर्मी की चिंता। कहीं बीमार हो गए तो स्कूल से छुट्टी लेनी पड़ेगी।' मां ने उसे ज्यादा नहीं डांटा, उन्हें लगा कि यह दो-तीन दिन का बुखार है, बाद में सब ठीक हो जाएगा। अगले दिन सुबह रोज की तरह मेहुल उठा और तैयार होकर स्कूल जाने लगा। उसने अपने बैग में अपना नया मोबाइल भी रख लिया। मां ने उसे ऐसा करते हुए देख लिया। उन्होंने उसके बैग से मोबाइल निकालते हुए कहा, 'तुम स्कूल पढ़ने जा रहे हो या मोबाइल पर बातें करने या फिर सेल्फी खींचने के लिए।' मां उसकी ओर गुस्से से देखते हुए मोबाइल लिए किचन में चली गईं। मेहुल गुस्से से पैर पटकते हुए स्कूल की ओर चल दिया। आज उसका मन क्लास में नहीं लग रहा था। उसे बस यही इंतजार था कि कब स्कूल की छुट्टी हो और वह घर जाकर अपने मोबाइल से तरह-तरह की सेल्फी ले। आखिर उसके इंतजार की घड़ी खत्म हुई। स्कूल की छुट्टी हो गई। घर पहुंचते ही मेहुल सीधा मां के पास पहुंचा और कहा, 'मां, मेरा मोबाइल कहां है?' मां ने उसकी तरफ देखते हुए कहा, 'पहले कपड़े बदलो और खाना खा लो फिर तुम्हारा मोबाइल भी तुम्हें मिल जाएगा।' यह कहकर मां किचन की ओर चल दीं। मेहुल समझ गया कि अगर उसे मोबाइल चाहिए तो मां का कहना मानना ही पड़ेगा। उसने जल्दी से कपड़े बदल कर खाना खाया। मां ने उसका मोबाइल लाकर उसे दे दिया। मोबाइल देखकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जाते-जाते मां ने उसे हिदायत दे दी कि इस गर्मी में वह छत पर या बाहर न जाए। मेहुल ने मन ही मन सोचा, यह भी कोई बात हुई। घर पर भी कोई सेल्फी लेता है। असली मजा तो बाहर सेल्फी लेने में है। मोहित के डॉगी रॉकी के साथ या फिर राहुल के भैया की बाइक पर। सोसाइटी में बने स्वीमिंग पूल पर सेल्फी का तो अलग ही मजा आएगा। यह सोचकर मेहुल बाहर जाने लगा। मां ने उसे बाहर जाते हुए देखकर कहा, 'इस दोपहर में कहां जा रहे हो?' 'मां, मैं मोहित के घर जा रहा हूं, थोड़ी देर में आ जाऊंगा।' मां ने उससे कहा, 'जल्दी आ जाना। शाम को तुम्हारे मामा आने वाले हैं। हम सब उनके साथ बाहर घूमने जाएंगे।' 'पक्का मां, मैं जल्दी आ जाऊंगा।' यह कहकर मेहुल तेजी से मोहित के घर की ओर भागा।

मेहुल को देख मोहित खुश हो गया। मेहुल और मोहित दोनों मोबाइल से सेल्फी लेने लगे। तभी मेहुल को मोहित का डॉगी दिखाई दिया। उसने मोहित से कहा, 'क्यों न रॉकी के साथ सेल्फी ली जाए।' मोहित ने उसकी हां में हां मिलाई। फिर क्या था कि दोनों रॉकी के साथ सेल्फी लेने लगे। पहले तो रॉकी को भी उनके इस खेल में मजा आ रहा था लेकिन जल्दी ही वह उनकी हरकतों से उकता गया। वह एक-दो बार उन पर गुर्राया भी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। तभी सोफे पर बैठे मेहुल ने अपनी बगल में बैठे रॉकी को गर्दन से लगभग खींचते हुए अपने पास लाकर सेल्फी खींचनी चाही तो रॉकी भड़क गया और उसने मेहुल के हाथ पर काट लिया। मेहुल के मुंह से चीख निकल गई। मोहित की मम्मी बगल के कमरे से दौड़ी-दौड़ी आईं। रोते हुए मेहुल और खून से सना हुआ उसका हाथ देखकर वह घबरा गईं। उन्होंने जल्दी से उसके घाव को साबुन से धोया और उसे डॉक्टर के पास ले गईं। रास्ते में उन्होंने मोहित से पूछा, 'यह कैसे हुआ?' 'मां, रॉकी ने काटा है' मोहित ने कहा। 'ऐसे कैसे काट लिया, सच-सच बात बताओ?' 'मां, मेहुल रॉकी के साथ सेल्फी ले रहा था, तभी पता नहीं इसे क्या हुआ और इसने मेहुल को काट लिया।' 'तुम अपने सेल्फी के मजे में यह भूल गए कि तुम्हारी इन हरकतों से रॉकी को परेशानी हो रही है। उसे जब कुछ समझ नहीं आया होगा तो उसने मेहुल को काटकर अपना गुस्सा जता दिया।' मां ने नाराज होते हुए कहा।

डॉक्टर से पट्टी करवाने के बाद मेहुल घर पहुंचा तो उसे इस हालत में देखकर मां एकदम घबरा गईं लेकिन जब असली बात पता चली तो उसे मां की डांट भी खानी पड़ी। उसे समझ आ गया था कि काश उसने सेल्फी की बीमारी को अपने सिर पर चढ़ने नहीं दिया होता तो यह सब नहीं होता।

भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 7 रनों से हराया

राजकोट। निरंजन शाह स्टेडियम में शुक्रवार को बारिश से प्रभावित पहले यूथ वनडे मैच में ऑलराउंडर यशवर्धन चौहान के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 7 रनों से हराया। बारिश के कारण 20-20 ओवर के इस मैच में, पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 182 रन लगाए। यशवर्धन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में 54 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और 2 छक्के लगाए। इस मैच में भारत के दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे अन्वय द्रविड़ और आर्यवीर सहवाग भी खेले। स्टेडियम में अपने पिता के आक्रामक अंदाज में ओपनिंग करते हुए आर्यवीर ने 5 चौकों की मदद से 26 गेंदों में 28 रन बनाए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ ने आक्रामक रुख अपनाते हुए 18 गेंदों में 211 के स्ट्राइक रेट से 38 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए। द्रविड़ और चौहान ने पांचवें विकेट के लिए 69 रनों की अहम साझेदारी की, जिसने 12वें ओवर में 88/4 के स्कोर पर मुश्किल में फंसी भारतीय टीम को उबारा।

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ बनाया अपना सबसे बड़ा स्कोर

हरारे। जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे मुकाबला हरारे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 356 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। यह ऑस्ट्रेलिया का वनडे क्रिकेट में जिम्बाब्वे के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी है। इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का वनडे में सबसे बड़ा टोटल 6 विकेट खोकर 350 रन था, जो टीम ने 2014 में बनाया था। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 18.6 ओवर में 130 रन जोड़े। मार्श ने 63 गेंदों का सामना करते हुए 53 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 3 चौके और तीन छक्के लगाए। इसके बाद हेड को कूपर कोनोली के रूप में एक और बढ़िया जोड़ीदार मिला। दूसरे विकेट के लिए हेड और कोनोली ने मिलकर 60 रन जोड़े। कोनोली ने 69 गेंदों में 3 चौके और तीन छक्कों की मदद से 78 रन बनाए। वहीं, हेड बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने शतकीय पारी खेली। हेड ने 84 गेंदों का सामना करते हुए 112 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी में हेड ने 15 चौके और 3 छक्के गाए।बनाए,जबकि एलेक्स कैरी ने 30 गेंदों में एक चौके की मदद से 20 रन बनाए। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले मैट रेनशॉ ने 11 गेंदों में 15 रन बनाए। अंत के ओवरों में ओलिवर पीक ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 18 गेंदों में 41 रनों की नाबाद पारी खेली।

310 नए चेहरे देंगे चुनौती, 17 खिलाड़ी और पांच टीमें फिर स्वर्ण पर साधेंगी निशाना

नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स में इस बार भारतीय चुनौती नए और युवा चेहरों पर है। भारतीय दल में 310 ऐसे नए खिलाड़ी हैं जो पहली बार एशियाई खेलों में भाग लेने जा रहे हैं, लेकिन निगाहें पुराने चेहरों पर रहेंगी। भारतीय दल में 17 खिलाड़ी और पांच टीमें ऐसी हैं जो एशियाई खेलों में अपने पिछले स्वर्णिम प्रदर्शन की छाप जापान में फिर से छोड़ने के लिए उतर रहे हैं। 501 भारतीय खिलाड़ी जापान में उतरेंगे। 36 खेलों के 259 इवेंट में भारत करेगा शिरकत। 356 पदकों की इवेंट में भारत पेश करेगा चुनौती। 310 खिलाड़ी पहली बार एशियाड में 36 खेलों में उतरेंगे।

मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक बने शॉटपुटर तजिंदर पाल सिंह तूर लगातार तीसरे एशियाड स्वर्ण के लिए जोर लगाएंगे। वहीं, पिछले एशियाड की तीन स्वर्ण विजेता कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा स्वर्णिम प्रदर्शन दोहराने व लगातार चौथे एशियाड में पदक जीतने उतरेंगी। 2014 और 2018 के एशियाड में चार गुणा 400 मीटर रिले और 400 मीटर में स्वर्ण जीत चुकीं एथलीट एमआर पूवम्मा से इस बार भी रिले में देश के लिए स्वर्णिम पदक की आशा है।

एथलेटिक्स-शूटिंग से उम्मीद

भारत ने पिछले एशियाड में 28 स्वर्ण समेत कुल 106 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया था। इस प्रदर्शन में शूटिंग और एथलेटिक्स ने अहम भूमिका निभाई थी। एथलेटिक्स में छह स्वर्ण समेत 29 पदक और शूटिंग में सात स्वर्ण समेत 22 पदक मिले थे। इस बार भी भारतीय दल की 100 से अधिक पदक जीतने की कोशिश है, जिसमें इन दोनों खेलों का अहम योगदान रहेगा।

तूर पर तीसरे स्वर्ण का मौका

घुड़सवार हृदय छेड़ा, स्क्वैश खिलाड़ी अभय सिंह ने हांगझोउ एशियाड में टीम स्वर्ण जीते। हृदय इस बार ड्रेसाज व अभय स्क्वैश की टीम व निजी स्पर्धा में भाग लेंगे। तूर 2018 और 2023 में स्वर्ण जीत चुके हैं। सत्र में 21.03 मीचर गोला फेंक चुके तूर यह प्रदर्शन दोहराते हैं तो तीसरा स्वर्ण जीत सकते हैं। पिछली बार 5000 मीटर का स्वर्ण व 3000 मीटर स्टीपलचेज का रजत जीतने वालीं पारुल इस बार इनके अलावा 1500 मीटर में भी उतरेंगी।

ऐश्वर्य, ईशा पर बड़ा जिम्मा

2023 में दो स्वर्ण समेत चार पदक जीतने वाले शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 50 मीटर श्री पोजीशन में, जबकि एक स्वर्ण व तीन रजत जीतने वाली ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल, 25 मीटर पिस्टल में शिरकत करेंगी। टेनिस में पिछली बार मिश्रित युगल में स्वर्ण जीतने वालीं रुतुजा भोंसले, अंकिता रैना के साथ युगल में उतरेंगी। पुरुष व महिला क्रिकेट टीम, पुरुष व महिला कबड्डी टीम व पुरुष हॉकी टीम इस बार भी स्वर्ण की दावेदार हैं।

आईपीएल अंपायरों की बढ़ेगी सैलरी

मुंबई,। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपने हेडक्वार्टर में हुई 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में अरुण सिंह धूमल और एम. खैरुल जमाल मजूमदार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) गवर्निंग काउंसिल के लिए फिर से चुना। इन दो सीटों के लिए किसी और उम्मीदवार ने नॉमिनेशन नहीं भरा, इसलिए आईपीएल चेयरमैन के तौर पर दूसरा कार्यकाल चाह रहे धूमल और इंडियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) का प्रतिनिधित्व करने वाले मजूमदार का औपचारिक रूप से फिर से चुना जाना तय हो गया। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी ए.के. जोति द्वारा जांच के बाद सही नॉमिनेशन की अंतिम लिस्ट की पुष्टि करने के साथ ही फ्रेंचाइजी टी20 लीग की फैसला लेने वाली संस्था में प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने के लिए इन दोनों का आसानी से फिर से चुने जाने का रास्ता साफ हो गया।एजीएम में एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। आम सभा ने घरेलू अंपायरों और मैच रेफरी के भुगतान ढांचे में बदलाव तथा उनके लिए नए ग्रेड सिस्टम को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। इसके साथ ही बोर्ड ने कई वित्तीय और प्रशासनिक प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी। बीसीसीआई ने 2025-26 वित्तीय वर्ष के ऑडिट किए गए खातों को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया।

अगरकर को लेकर अगले 15 दिन में लिया जाएगा फैसला

मुंबई। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) के बाद कहा कि सीनियर पुरुष टीम के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के भविष्य को लेकर अगले 15 दिनों के भीतर फैसला लिया जाएगा। जुलाई 2023 में चीफ सिलेक्टर बने अजीत अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने कई बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। उनके कार्यकाल में भारत वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल तक पहुंचा। इसके बाद टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता। इसके साथ ही, इस साल की शुरुआत में भारत ने अपने घरेलू मैदान पर टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी का सफलतापूर्वक बचाव भी किया। उनका कार्यकाल 4 अक्टूबर को खत्म हो रहा है।

न्यूजीलैंड को झटका... डाइव लगाते समय रचिन रवींद्र का कंधा खिसका

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर रचिन रवींद्र के भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेलने पर संशय पैदा हो गया है। रचिन बुधवार को ऑकलैंड में एक प्रमोशनल शूट के दौरान चोटिल हो गए। शूटिंग के दौरान डाइव लगाकर कैच लेने की कोशिश में वह असहज तरीके से सेफ्टी मैट पर गिरे, जिसके बाद उनके दाएं कंधे का जोड़ खिसक गया।शुक्रवार को डॉक्टरों ने रचिन की जांच की। जांच में कंधे में किसी गंभीर चोट की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, वह मैदान पर कब वापसी कर पाएंगे, यह शुरुआती रिहैबिलिटेशन के दौरान उनकी प्रगति पर निर्भर करेगा। ऐसे में भारत के खिलाफ सीरीज में उनकी उपलब्धता अभी तय नहीं है।

न्यूजीलैंड ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण हादसा

न्यूजीलैंड के परफॉर्मेंस मैनेजर माइक सैंडल ने रचिन की चोट को दुर्भाग्यपूर्ण हादसा बताया। उन्होंने कहा कि इस समय टीम की प्राथमिकता रचिन को पूरी तरह ठीक करना है। सैंडल ने कहा, 'यह वास्तव में बहुत दुर्भाग्यपूर्ण चोट है। रचिन के लिए हमें बहुत निराशा हुई है और हमारी मुख्य प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि वह अच्छी तरह से ठीक हों और जल्द से जल्द मैदान पर लौट सकें।'उन्होंने प्रमोशनल शूट के दौरान सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी जानकारी दी। सैंडल ने कहा, 'हमारे खिलाड़ियों से जुड़े सभी व्यावसायिक शूट की गतिविधियों पर पहले से सभी पक्षों की सहमति होती है और उचित सुरक्षा उपाय मौजूद रहते हैं। यह थोड़ा असामान्य हादसा था और भविष्य में इस तरह के आयोजनों को लेकर हम अपनी प्रक्रियाओं की समीक्षा करते रहेंगे।'

रचिन की वापसी में नहीं करेगा जल्दबाजी

रचिन न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम का अहम हिस्सा बन चुके हैं। वह बल्ले और गेंद दोनों से टीम को योगदान देते हैं। उन्होंने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें 759 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 69 रन है। गेंदबाजी में उनके नाम 26 विकेट हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/27 रहा है।26 वर्षीय रचिन की गैरमौजूदगी न्यूजीलैंड के लिए भारत के खिलाफ सीरीज में बड़ा बदलाव होगी। हालांकि, टीम उनकी चोट को लेकर जल्दबाजी के मूड में नहीं है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट का व्यस्त कार्यक्रम है, इसलिए रचिन की वापसी को लेकर सावधानी बरती जाएगी। वाल्टर ने कहा, 'अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट का काफी व्यस्त कार्यक्रम है।

जापान रवाना होने से पहले भारतीय क्रिकेट टीम को किट का इंतजार

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 के लिए जापान रवाना होने से पहले भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सामने किट को लेकर समस्या खड़ी हो गई है। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम को अभी भी सही साइज की कुछ किट का इंतजार है। भारतीय टीम रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी से जापान के लिए रवाना होने वाली है।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और भारतीय ओलंपिक संघ के किट उपलब्ध कराने वाले जेएसडब्ल्यू इंस्पायर के बीच बातचीत हुई है। किट के साइज को लेकर सामने आई समस्या को अब काफी हद तक सुलझा लिया गया है।

एक सूत्र ने बताया, 'क्रिकेटरों की पोशाक के साइज में कुछ समस्या थी, जिसे काफी हद तक ठीक कर लिया गया है। कुछ किटें बची हैं और उन्हें जल्द ही टीम को भेज दिया जाएगा। '

खिलाड़ियों को दो अलग-अलग किट पहननी होंगी

भारतीय खिलाड़ियों को एशियाई खेलों के दौरान दो अलग-अलग तरह की पोशाक की जरूरत होगी। 22 सितंबर को जापान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपनी नियमित टीम किट पहनेंगे।

इसके बाद 28 सितंबर से शुरू होने वाली एशियाई खेलों की क्रिकेट प्रतियोगिता में भारतीय टीम को एशियाई खेलों की आधिकारिक पोशाक पहननी होगी। ढृह्व के सूत्र के मुताबिक, दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत होने के कारण भी किट से जुड़ी समस्या सामने आई हो सकती है।सूत्र ने कहा, 'खिलाड़ियों को दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत है, एक द्विपक्षीय मैचों के लिए और दूसरी एशियाई खेलों के लिए, इसलिए ऐसा हुआ होगा। '

किट के अलावा जापान के नागोया में भारतीय खिलाड़ियों के आवास को लेकर भी समस्या सामने आई है। अन्य भारतीय खिलाड़ियों को आवास मिलने में देरी को देखते हुए पुरुष क्रिकेट टीम के लिए खुद होटल की व्यवस्था करने का फैसला किया है। इसके विपरीत भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ढृह्व की ओर से उपलब्ध कराए गए आवास में ही ठहराया गया है और महिला टीम के रहने की व्यवस्था में किसी तरह की परेशानी नहीं आई। एक सूत्र ने बताया कि पुरुष टीम के लिए आयोजकों की ओर से जो कमरे उपलब्ध कराए गए थे, उनमें खिलाड़ियों के किट बैग रखने तक के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। इसी वजह से ब्रह्मष्टढ्ढ ने अपने स्तर पर होटल की व्यवस्था की।

सूत्र ने कहा, 'महिला टीम के ठहरने की व्यवस्था में किसी तरह की समस्या नहीं आई। आयोजकों ने पुरुष टीम के लिए जो कमरे उपलब्ध कराए, उनमें किट बैग रखने की भी जगह नहीं थी। वहां ज्यादा बड़े होटल नहीं हैं, लेकिन ब्रह्मष्टढ्ढ ने जापान रवाना होने से कुछ समय पहले ही अपने स्तर पर व्यवस्था कर ली थी। 'एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले कुछ भारतीय खिलाड़ियों को अपने आवंटित आवास तक पहुंचने से पहले घंटों इंतजार करना पड़ा। इस बार एशियाई खेलों में पारंपरिक खेल गांव की व्यवस्था नहीं की गई है। खिलाड़ियों के ठहरने के लिए अलग-अलग तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं। कुछ खिलाड़ियों को क्रूज जहाजों, कंटेनरों और होटलों में ठहराया जा रहा है।

मनु-पवन ने थामा तिरंगा...ओपनिंग सेरेमनी में शान से निकला भारतीय दल

आइची नागोया। आइची नागोया एशियन गेम्स की शुरुआत हो गई। भारत इस साल हांगझोउ में 2023 में एशियन गेम्स के मेडल्स रिकॉर्ड को तोड़ने उतरा है। तब भारत ने 28 स्वर्ण समेत 107 पदक जीते थे। नीरज चोपड़ा इस साल एशियाड का हिस्सा नहीं होंगे। मनु भाकर और पवन सेहरावत की अगुआई में भारतीय दल ने एशियन गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में शान से मार्च किया। दोनों फ्लैग-बेयरर हाथों में तिरंगा थामे सबसे आगे रहे, जबकि उनके पीछे भारतीय खिलाड़ियों का दल पूरे जोश और गर्व के साथ स्टेडियम में पहुंचा। नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत की एंट्री के दौरान माहौल में देशभक्ति और उत्साह साफ नजर आया। यह पल भारतीय खिलाड़ियों के लिए एशियन गेम्स के इस बड़े मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का खास अनुभव रहा।

मनु भाकर की साथी खिलाड़ियों को खास सलाह...

शिकायत की बजाय प्रदर्शन करें

नागोया। एशियन गेम्स 2026 की शुरुआत से पहले भारतीय दल की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर कई तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं। आवास समेत अन्य व्यवस्थाओं को लेकर खिलाड़ियों की शिकायतों के बीच स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने अपने साथी भारतीय खिलाड़ियों से खास अपील की है। मनु ने खिलाड़ियों से कहा कि वे समस्याओं को लेकर शिकायत करने में अपनी ऊर्जा बर्बाद करने के बजाय प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान दें।

भारत समेत कई देशों के खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स के लिए की गई व्यवस्थाओं को लेकर चिंता जताई है। इनमें सबसे प्रमुख समस्या खिलाड़ियों के रहने से जुड़ी बताई जा रही है। नागोया में कई खिलाड़ियों को आवास और अन्य सुविधाओं से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से जारी एक वीडियो संदेश में मनु भाकर ने भारतीय खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं भारत के अपने सभी साथी खिलाड़ियों से कहना चाहती हूं कि हमें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। मैंने सोशल मीडिया पर कुछ मुद्दे देखे हैं और लोग मुझे बता रहे हैं कि ये मुद्दे हैं।' मनु ने आगे कहा, 'हमारे सामने चाहे कितनी भी समस्याएं हों, यह शायद जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर और अनुभव है। हमें शिकायत करने के बजाय इस समय का आनंद लेना चाहिए।'

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत चुकीं मनु ने खिलाड़ियों को अपनी तैयारियों पर भरोसा रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'हमने अपनी तरफ से पूरी तैयारी की है, इसलिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करनी चाहिए। यहां तक पहुंचने के लिए हमने बहुत मेहनत की है और हमें सही और गलत बताने में अपनी ऊर्जा बर्बाद नहीं करनी चाहिए।'